डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 146 | पेज: 8 | जयपुर, रविवार, 04 मई 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

गंगा एक्सप्रेसवे पर गरजे वायुसेना के लड़ाकू विमान

शाहजहांपुर (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना के जंगी जहाजों ने शुक्रवार को गंगा एक्सप्रेसवे पर अपनी ताकत दिखाई। शाहजहांपुर स्थित साढ़े तीन किलोमीटर एयर स्ट्रिप पर राफेल, मिराज और जगुआर ने एयर शो किया। इन लड़ाकू विमानों ने गंगा एक्सप्रेसवे पर टच एंड

गो प्रैक्टिस की। इस एयर शो का उद्देश्य युद्ध या आपदा के समय इस एक्सप्रेसवे को वैकल्पिक रनवे के रूप में इस्तेमाल करना है। बीते रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शाहजहांपुर में गंगा एक्सप्रेसवे पर तैयार 3.5 किलोमीटर लंबी आधुनिक हवाई पट्टी का निरीक्षण किया था। यह देश की पहली ऐसी पट्टी होगी, जहां वायुसेना के लड़ाकू विमान दिन और रात में उतर सकेंगे।

आंधी-बारिश से 10 लोगों की मौत

- दिल्ली में 200 से ज्यादा फ्लाइट्स रहीं डिले

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर, यूपी और छत्तीसगढ़ में गुरुवार रात आंधी-बारिश और बिजली-पेड़ गिरने की घटनाओं में 10 लोगों की मौत हो गई। दिल्ली, उत्तर प्रदेश में 4-4 और छत्तीसगढ़ में 2 लोगों ने जान गंवाई है। दिल्ली-एनसीआर के निचले इलाकों में जलभराव हो गया है। दिल्ली एयरपोर्ट से

200 से ज्यादा फ्लाइट्स डिले हो गई हैं। 3 को डायवर्ट भी करना पड़ा। 2 को जयपुर और एक अहमदाबाद में लैंड करवाया गया। दिल्ली एयरपोर्ट ऑपरेट करने वाली कंपनी दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड ने कहा कि फ्लाइट ऑपरेशन नॉर्मल है। दिल्ली एयरपोर्ट से रोज करीब 1,300 उड़ानों की आवाजाही होती है।

प्रज्ञा की जमानत के खिलाफ याचिका पर सुनवाई रुकी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा-ट्रायल कोर्ट में फैसला आने वाला है

भोपाल (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने 2008 मालेगांव ब्लास्ट मामले में आरोपी पूर्व सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर की जमानत को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई खत्म कर दी है। यह

याचिका पीड़ितों में से एक के पिता निसार अहमद ने 2017 में दायर की थी। उन्होंने बॉम्बे हाईकोर्ट के प्रज्ञा ठाकुर को दी गई जमानत को रद्द करने की मांग की थी। कोर्ट में सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से सीनियर एडवोकेट ने बताया कि अब एनआईए कोर्ट ने मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया है, इसलिए सुप्रीम कोर्ट आगे सुनवाई न करे।

CBSE 10वीं-12वीं एग्जाम रिजल्ट जल्द, 44 लाख स्टूडेंट्स को इंतजार

- 10 से 15 मई के बीच जारी हो सकता है

- मार्क्स फीडिंग का चल रहा काम

अजमेर (रॉयल पत्रिका) | केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) की ओर से 10वीं और 12वीं का रिजल्ट इसी माह के दूसरे सप्ताह में घोषित किया जा सकता है। सूत्रों के अनुसार- कॉपी के मूल्यांकन का काम पूरा हो गया है। अभी मार्क्स फीडिंग का काम चल रहा है। इसके बाद परिणाम की कमेटी समीक्षा करेगी। इस पूरे प्रोसेस में करीब 8 से 10 दिन का समय लगने की उम्मीद है। अगर सब कुछ ठीक रहा तो रिजल्ट 10 से 15 मई के बीच जारी हो सकता है।

अजमेर रीजन में राजस्थान के साथ गुजरात स्टेट शामिल है। यहां पर पौने तीन लाख स्टूडेंट्स हैं। पिछले साल 12वीं में अजमेर रीजन का रिजल्ट 89.53% और देश भर में अजमेर का 10वां स्थान रहा। 10वीं में अजमेर रीजन का रिजल्ट 97.10% व देश भर में अजमेर का पांचवां स्थान रहा।

सीबीएसई की ओर से परीक्षाएं 15 फरवरी से शुरू हुई थीं। 10वीं की परीक्षाएं 18 मार्च, वहीं 12वीं की परीक्षाएं 4 अप्रैल को समाप्त हुई। देश भर में 16 रीजन है और इसमें करीब 44 लाख स्टूडेंट्स शामिल हैं।

CBSE : पिछले तीन साल में ये रहे रिजल्ट

साल 2022 - 12वीं एग्जाम : अजमेर रीजन का रिजल्ट 96.01%, देश भर में अजमेर का छठा स्थान, 10वीं एग्जाम :.अजमेर रीजन का रिजल्ट 98.14%, देश भर में अजमेर का चौथा स्थान

साल 2023 - 12वीं एग्जाम : अजमेर रीजन का रिजल्ट 89.27%, देश भर में अजमेर का 7वां स्थान, 10वीं एग्जाम : अजमेर रीजन का रिजल्ट 97.27%, देश भर में अजमेर का चौथा स्थान

साल 2024 - 12वीं एग्जाम: अजमेर रीजन का रिजल्ट 89.53%, देश भर में अजमेर का 10वां स्थान, 10वीं एग्जाम : अजमेर रीजन का रिजल्ट 97.10%, देश भर में अजमेर का पांचवां स्थान

पिछले साल 2024 में कितने दिन बाद घोषित हुए रिजल्ट

12वीं के एग्जाम 2 अप्रैल को खत्म हुए और 13 मई को रिजल्ट घोषित किया, इसमें 41 दिन लगे। 10वीं के एग्जाम 13 मार्च को खत्म हुए और 13 मई को रिजल्ट घोषित किया, इसमें 61 दिन लगे।

लैंडिंग के दौरान बाल-बाल बचे बिहार के मुख्यमंत्री

- हेलीकॉप्टर में थे नीतिश कुमार और उड़ने लगा टीन शेड

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार शुक्रवार को बाल-बाल बचे। नालंदा जिले के राजगीर में उनके हेलिकॉप्टर की लैंडिंग के समय टीन शेड (करकट) उड़ने लगा। वीडियो देखने से लग रहा है कि दो-दो टीन के शेड उड़ रहे थे। हेलीकॉप्टर से महज कुछ दूरी पर ये सब हो रहा था। ये हादसा तब हुआ जब मुख्यमंत्री एक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए पटना से हेलीकॉप्टर से राजगीर पहुंचे थे। गनीमत रही कि टीन का टुकड़ा हेलीकॉप्टर से दूर गिरा, नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता था। इस घटना के बाद सीएम की सुरक्षा में लगे कर्मचारी भी सहम गए। हेलीकॉप्टर की सुरक्षित लैंडिंग करा दी गई, लेकिन इस घटना ने मुख्यमंत्री की सुरक्षा में बड़ी लापरवाही उजागर कर दी। दरअसल, मुख्यमंत्री नीतिश कुमार शुक्रवार सुबह पटना से हेलीकॉप्टर से राजगीर के लिए रवाना हुए थे। राजगीर में जब हेलीकॉप्टर लैंड कर रहा था, तो उसके पास रखा टीन शेड हवा में उड़ गया। यह देखकर वहां मौजूद अधिकारी घबरा गए। हेलीकॉप्टर जब नीचे उतरता है तो हवा की गति बहुत तेज होती है।

अब बड़े-बड़े माल ढोने वाले जहाज भी सीधे आ सकेंगे भारत: पीएम

- मोदी ने पोर्ट को देश के विकास के लिए बताया मील का पत्थर
- मोदी के साथ मंच पर केरल सीएम और थरूर, पीएम ने कसा तंज

कहा-यह कार्यक्रम कई लोगों की उड़ा देगा नींद, जहां मैसेज जाना था वहां चला गया

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को केरल के तिरुवनंतपुरम में 8900 करोड़ की लागत से बने विझिनजाम इंटरनेशनल डीप सी-वाटर मल्टीपर्पज सीपोर्ट का उद्घाटन किया। इस दौरान पीएम ने केरल के सीएम पिनराई विजयन और कांग्रेस नेता शशि थरूर के मंच पर होने पर कांग्रेस पर तंज कसा। पीएम ने कहा कि, मैं मुख्यमंत्री से कहना चाहता हूं कि आप इंडी गठबंधन के मजबूत स्तंभ हैं। शशि थरूर भी यहां बैठे हैं। आज का यह कार्यक्रम कई लोगों की नींद उड़ाने वाला है। जहां मैसेज जाना था चला गया। मोदी ने पोर्ट को देश के विकास के लिए मील का पत्थर बताया। उन्होंने कहा- इस पोर्ट को 8,800 करोड़ की लागत से बनाया गया है। यहां आने वाले समय में तीन गुना ज्यादा जहाजों का ट्रांस-शिपमेंट किया जा सकेगा और अब बड़े-बड़े माल ढोने वाले जहाज भी सीधे भारत आ सकेंगे।

10 सालों में भारत में शीपोर्ट की क्षमता दोगुनी हुई- पिछले 10 सालों में भारत ने कड़ी मेहनत से बड़ी तरक्की की है। बंदरगाहों की क्षमता दोगुनी हुई, जलमार्ग आठ गुना बढ़े। दो बंदरगाह दुनिया के शीर्ष 30 में हैं और भारत जहाज निर्माण में भी आगे है। भारत सरकार ने नाविकों के हित में कई बड़े सुधार किए हैं। 2014 में देश में करीब 1.25 लाख नाविक थे, जो अब बढ़कर 3.25 लाख हो गए हैं। अब भारत दुनिया में सबसे ज्यादा नाविक देने वाले तीन देशों में है। अंग्रेजों की गुलामी से पहले भारत हजारों सालों तक समृद्ध था और दुनिया की अर्थव्यवस्था में बड़ी हिस्सेदारी रखता था। उस समय भारत की समुद्री ताकत और बंदरगाहों से होने वाला व्यापार ही हमें खास बनाता था। इसमें केरल की बड़ी भूमिका थी। जब कोई बड़ा जहाज एक देश के बंदरगाह (पोर्ट) पर माल लेकर आता है, लेकिन वो माल किसी और देश या शहर तक पहुंचाना होता है, तो उस माल को वहां से छोटे जहाजों या दूसरे साधनों में लादकर आगे भेजा जाता है। इस प्रक्रिया को ही ट्रांसशिपमेंट कहा जाता है।

नेशनल हेराल्ड केस में सोनिया-राहुल गांधी को नोटिस जारी

- राउज एवेन्यू कोर्ट ने भेजा नोटिस 8 मई को अगली सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी और कुछ अन्य लोगों को नोटिस भेजा है। ये नोटिस नेशनल हेराल्ड मामले से जुड़ा है। ईडी यानी प्रवर्तन निदेशालय ने इन सभी के खिलाफ एक चार्जशीट दाखिल की है। ये मामला मनी लॉन्ड्रिंग का है। कोर्ट ने अगली तारीख 8 मई, 2025 तय की है। नोटिस जारी करते हुए कोर्ट ने कहा है कि सोनिया गांधी, राहुल गांधी और बाकी आरोपियों को चार्जशीट पर सुनवाई का पूरा हक है। कोर्ट ने कहा कि सुनवाई का अधिकार सभी को मिलना चाहिए। कोर्ट ने आगे कहा कि निष्पक्ष सुनवाई के लिए ये जरूरी है कि हर आरोपी को सुना जाए। इसलिए नोटिस जारी करना जरूरी था। कोर्ट चाहता है कि सभी आरोपियों को अपनी बात रखने का मौका मिले। इससे ये सुनिश्चित होगा कि मामले की सुनवाई सही तरीके से हो।

इससे पहले अदालत ने नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्य कांग्रेस नेताओं को अभी नोटिस जारी करने से मना कर दिया था। स्पेशल जज विशाल गोगने ने ईडी की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह फैसला लिया था। ईडी का कहना है कि नए नियमों के अनुसार, आरोपी को सुने बिना शिकायत पर ध्यान नहीं दिया जा सकता। अदालत इस बात से संतुष्ट नहीं थी कि नोटिस जारी करना जरूरी है। ईडी का कहना है कि कानून बदल गया है। नए कानून के हिसाब से, आरोपी को सुने बिना शिकायत पर ध्यान नहीं दिया जा सकता। ईडी ने अदालत से कहा, हम नहीं चाहते कि यह आदेश लंबा चले, नोटिस जारी किया जाए। जज ने 25 अप्रैल को सुनवाई में कहा था कि पहले अदालत को यह देखना होगा कि नोटिस जारी करना जरूरी है या नहीं।

बांग्लादेश में भारत के खिलाफ साजिश रच रही आईएसआई

नॉर्थ-ईस्ट में हथियारों की सप्लाई बढ़ाने की हो रही है कोशिश

एजेंटों के साथ पाक हाई कमिश्नर ने कर ली 2 सीक्रेट बैठके

नई दिल्ली, ढाका (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई बांग्लादेश में सक्रिय हो गई है। ढाका के पाक उच्चायोग में आईएसआई एजेंट भारत के खिलाफ आतंकी साजिशें रच रहे हैं। बांग्लादेश में पाकिस्तान के हाई कमिश्नर सैयद अहमद मारुफ कट्टरपंथी जमात, हिफाजत और खिलाफत मजलिस के साथ दो बार सीक्रेट बैठकें कर चुके हैं।

सूत्रों के मुताबिक आईएसआई के मंसूबे भारत के नॉर्थ-ईस्ट राज्यों में अलगाववादियों को हथियारों की सप्लाई बढ़ाने और घुसपैठ के लिए उकसाने के हैं। उधर, पाकिस्तान ने एलओसी पर सातवें दिन भी सीजफायर तोड़कर फायरिंग की। भारतीय सेना ने एक बयान जारी कर कहा कि कुपवाड़ा, अखनूर और उरी सेक्टर में पाकिस्तानी फायरिंग का मुंह तोड़ जवाब दिया। भारत ने अटारी-वाघा बॉर्डर गुरुवार को पूरी तरह से बंद कर दिया गया। पिछले 7 दिन के दौरान भारत से 911 पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजा गया है।

बंगाल सरकार के नए मंदिर 'जगन्नाथ धाम' को लेकर विवाद

यह नाम देना हिन्दू मान्यताओं-परंपराओं के खिलाफ

भुवनेश्वर (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के दीघा में बने जगन्नाथ मंदिर के नाम को लेकर ओडिशा में विरोध शुरू हो गया है। पुरी जगन्नाथ मंदिर के पंडितों, सेवकों, विद्वानों, कलाकारों और शोधकर्ता मंदिर का नाम 'जगन्नाथ धाम' रखने पर आपत्ति जता रहे हैं। दरअसल, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 30 अप्रैल को पूर्वी मेदिनीपुर जिले के दीघा में बने जगन्नाथ मंदिर का उद्घाटन किया था। पूजा-अर्चना के बाद उन्होंने मंदिर को 'जगन्नाथ धाम' नाम दिया। ओडिशा के लोगों ने मंदिर बनाने का समर्थन किया, लेकिन नाम पर एतराज जताया। उनका कहना है कि जगन्नाथ धाम सिर्फ पुरी में है, अन्य मंदिर को यह नाम देना हिन्दू मान्यताओं-परंपराओं के खिलाफ है।

अटारी बॉर्डर पर फंसे पाक नागरिकों के लिए खुला गेट

- 1008 पाक नागरिक लौटे, 1575 भारतीय भी वापस आए, कई मरीज इलाज अधूरा छोड़ लौटे

अमृतसर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पैदा हुए तनाव में पाकिस्तान ने एक बार फिर गेट को अपने नागरिकों के लिए खोल दिया है। बीते दिन, गुरुवार, पाकिस्तान ने गेटों को नहीं खोला था, जिसके चलते पाकिस्तानी नागरिक, जो पाक जाने के लिए अटारी बॉर्डर पहुंचे थे, वे फंस गए थे। पाकिस्तान विदेश मंत्रालय ने इसे लेकर बयान भी जारी किया है। पाकिस्तान विदेश मंत्रालय का कहना है- पाकिस्तानी नागरिकों को जारी वीजा अचानक रद्द किए जाने के कारण कई मरीज इलाज पूरा किए बिना गंभीर हालत में वाघा बॉर्डर के रास्ते वापस लौटे हैं। इस निर्णय के कारण कई परिवार जबरन बिछड़ गए, जिनमें बच्चे भी अपने माता-पिता से अलग हो गए। हालांकि वाघा सीमा से लौटने की अंतिम तारीख 30 अप्रैल थी, लेकिन मीडिया रिपोर्टों के अनुसार कुछ पाकिस्तानी नागरिक अभी भी अटारी बॉर्डर पर फंसे हुए हैं। अगर भारतीय प्रशासन अनुमति देता है, तो हम अपने नागरिकों को वापस लेने के लिए तैयार हैं।

कास्ट सेंसस के लिए लिटमस टेस्ट साबित होगा बिहार चुनाव

- मुस्लिमों में भी जाति को लेकर अहम माना जा रहा यह फैसला
- आजादी के बाद पहली बार भारत में हो रही जातीय जनगणना

पटना (एजेंसी)। नरेंद्र मोदी सरकार जातीय जनगणना कराने जा रही है। इसके पीछे कई कारण बताए जा रहे हैं। संघ, सहयोगी दल, विपक्ष और बिहार विधान सभा चुनाव 2025 को अहम माना जा रहा है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि राहुल गांधी और तेजस्वी यादव के मुद्दों को कम करने के लिए यह कदम उठाया गया है। एक और बात कही जा रही है कि क्या ये धर्म के नाम पर एकजुट हुए मुस्लिमों को बांटने का प्रयास है। इसका असली इम्तिहान बिहार विधान सभा चुनाव 2025 में होगा। राजनीति के जानकार मानते हैं कि सरकार ने राहुल गांधी और तेजस्वी यादव को घेरने के लिए यह कदम उठाया है। वे कहते हैं कि जातीय जनगणना से इन नेताओं के पास कोई मुद्दा नहीं बचेगा। एक और चर्चा चल रही है। कुछ लोगों का मानना है कि सरकार धर्म के आधार पर एकजुट

हुए मुस्लिमों को बांटना चाहती है। उनका कहना है कि जातीय जनगणना से मुस्लिम समुदाय अलग-अलग जातियों में बंट जाएगा। **सियासी नफा-नुकसान की तराजू पर कास्ट सेंसस-** वक्फ बोर्ड संशोधन बिल के पास होने के बाद जो देश भर में मुस्लिमों ने जो एकता दिखाई वो भाजपा के लिए चिंता का विषय बन गया। सूत्र बताते हैं कि नरेंद्र मोदी और उनके राजनीतिक सलाहकार इस जनगणना के जरिए इस्लाम को भी जातियों में बांट कर बिहार विधान सभा चुनाव का परिणाम देखना चाहते हैं। राष्ट्रीय जनता दल के महासचिव निराला यादव कहते हैं कि ये जो निर्णय लिया गया है, वो राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव के दबाव में लिया गया है। लेकिन, जब ये दबाव बनाया जा रहा था, तब ये फैसला न लेकर अब चुनाव के मौके पर निर्णय लिया गया।

मुस्लिम में जातीय-व्यवस्था से इनकार नहीं: दानिश

बिहार बीजेपी के मीडिया प्रभारी दानिश इकबाल का मानना है कि जो लोग भी मुस्लिमों में जातीय-व्यवस्था को नकारते हैं, वे लोग मुस्लिम समाज को पीछे रखना चाहते हैं। वे नहीं चाहते कि मुस्लिम समाज विकास के पायदान पर आगे बढ़े। मुस्लिम समाज में जातीय व्यवस्था है। मैंने कई भारतीय उलेमाओं की रचनाएं भी पढ़ी है, जिन्हें उनके कई अनुयायी महान बुद्धिजीवी मानते हैं। जैसे- मौलवी अहमद रजा खान बरेलवी और मौलवी अशरफ अली फारुकी थानवी। जातिगत श्रेष्ठता की धारणा का समर्थन किया।

रॉयल पत्रिका संपादकीय

चीन की चाल

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने अपने बयान में पहलगाम के अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने की बात कही है, लेकिन स्टेटमेंट देखकर लगता है कि इससे बात नहीं बनेगी। दरअसल, जब तक स्थायी सदस्य के रूप में चीन आतंक को सहारा देने वाले पाकिस्तान को बचाता रहेगा, तब तक किसी तरह के बदलाव की उम्मीद करना बेमानी है।

कमजोर भाषा: पहलगाम पर UNSC के बयान की भाषा बेहद कमजोर रही, 2019 के पुलवामा अटैक के बाद आए बयान से भी कमजोर। तब सभी देशों से भारत सरकार के साथ सक्रिय रूप से सहयोग करने का आह्वान किया गया था। इस बार की अपील सभी संबंधित अधिकारियों के साथ सहयोग करने की है। भारत सरकार शब्द होने से पाकिस्तान पर ज्यादा दबाव पड़ता। लेकिन, उसे बचाने के लिए एक बार फिर चीन आगे आ गया।

दोहरा रवैया: आतंकवाद के मसले पर पाकिस्तान सुधर नहीं सकता, अतीत ने कम से कम इतना तो सिखा दिया है, लेकिन चीन का रवैया भी कम सवालों के घेरे में नहीं। दुर्भाग्य से उसकी आतंकवाद को लेकर कोई एक नीति नहीं है। पाकिस्तान में जब चीनी नागरिकों को निशाना बनाया जाता है, तब चीन को उसमें आतंकवाद नजर आता है, लेकिन मौका मिलने पर वह मसूद अजहर जैसे आतंकियों को बचाने से गुरेज नहीं करता।

वीगर मुस्लिमों का मसला: ऐसा नहीं है कि चीन मुस्लिमों का रहनुमा है। उसने अपने शिनच्यांग प्रांत को दुनिया की सबसे बड़ी जेल में तब्दील कर रखा है। चीनी संस्कृति का ज्ञान देने के नाम पर वीगर मुस्लिमों को डिटेंशन कैंपों में रखा जाता है। इसके खिलाफ कई मानवाधिकार संगठन आवाज उठा चुके हैं, लेकिन चीन का कहना है कि उसकी लड़ाई आतंकवाद और अलगाववाद के खिलाफ है। दुर्भाग्य से, बात जब भारत की आती है, तो आतंकवाद को लेकर पेइचिंग का नजरिया बदल जाता है।

कमजोर पड़ता पाकिस्तान: भारत-चीन के रिश्ते उतार-चढ़ाव भरे रहे हैं और इसकी बुनियाद में सीमा विवाद है। पाकिस्तान को वह भारत को परेशान करने के टूल के रूप में इस्तेमाल करता आया है। हालांकि नई दिल्ली को अब इस बारे में स्पष्ट बात करनी चाहिए। एक तरफ कैलाश मानसरोवर यात्रा फिर शुरू होने जा रही है, जो रिश्तों में बेहतरी दिखाती है और दूसरी ओर पाकिस्तान का बचाव - चीन दोहरी चाल नहीं चल सकता। पहलगाम की तटस्थ जांच के लिए पाकिस्तान का प्रस्ताव बताता है कि वह कमजोर और अलग-थलग पड़ रहा है। भारत के पक्ष को दुनिया बेहतर ढंग से समझ रही है। यही बात चीन को भी समझानी होगी।

वक्फ बिल पर नीतीश ने BJP का साथ क्यों दिया

अपनी छवि और राजनीति को करीने से साधने वाले नीतीश कुमार ने चुनावी साल में बोल्ड डिसीजन लिया है, जो चर्चा का विषय बन गया है। अब तक जानकारों का मानना था कि चुनावों के मद्देनजर JDU मुस्लिम वोटर्स को नाराज नहीं कर सकती, इसलिए वह ऐसा कोई मौका नहीं छोड़ती, जहां उसे मुस्लिम वोटर्स को साधने की जरूरत महसूस होती है।

बिहार में इसी साल विधानसभा चुनाव हैं। 2023 की जातीय गणना के आंकड़ों के मुताबिक, राज्य में 17.7% मुस्लिम हैं। जिनका राज्य के करीब 47 सीटों पर प्रभाव है। ऐसे में नीतीश कुमार ने वक्फ बिल पर मोदी का साथ दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो पार्टी अध्यक्ष ने अपने सांसदों को स्पष्ट संदेश दिया कि आप मुस्लिम वोटों की चिंता ना करें।

सबसे पहले जानिए, भाजपा ने नीतीश को कैसे भरोसे में लिया

बिल के मूल ड्राफ्ट में प्रावधान था कि नया कानून लागू होने के 6 महीने के अंदर एक सेंट्रल पोर्टल पर सभी वक्फ प्रॉपर्टीज का रजिस्ट्रेशन कराना जरूरी होगा। 6 महीने बाद प्रॉपर्टी को लेकर कानून के तहत कोर्ट में कोई सुनवाई नहीं की जा सकेगी। JDU के सांसद दिलेश्वर कामत ने इस प्रावधान में संशोधन का सुझाव दिया था, जिसे JPC ने स्वीकार कर लिया। अब वक्फ ट्रिब्यूनल किसी वक्फ प्रॉपर्टी के रजिस्ट्रेशन की टाइमलाइन बढ़ा सकता है। इसके लिए प्रॉपर्टी के मुतवल्ली यानी केयरटेकर को ट्रिब्यूनल के सामने इसकी उचित वजह बतानी होगी।

भाजपा की टॉप लीडरशिप ने बिल के एक-एक पॉइंट को क्लियर किया। शाह ने ललन सिंह और संजय झा के साथ मीटिंग की।

सूचना है कि गृह मंत्री अमित शाह ने अपने हाल के बिहार दौरे के दौरान नीतीश कुमार से बात की। उनको समझाया कि बिल गरीब और पसमांदा मुसलमानों के पक्ष में है। वो बिल पारित होने के बाद हमारे साथ आ सकते हैं।

1. मुस्लिमों के लिए काम किया, लेकिन उन्होंने साथ नहीं दिया

2013 में नीतीश कुमार ने नरेंद्र मोदी के विरोध में 17 साल पुराना NDA का गठबंधन तोड़ दिया। 2014 लोकसभा चुनाव उन्होंने अपने दम पर लड़ा। उन्हें उम्मीद थी कि अपने कोर वोट बैंक के अलावा मुस्लिमों का भी साथ मिलेगा, लेकिन ये उनका भ्रम साबित हुआ। उन्होंने 38 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे, लेकिन मात्र 2 सीट ही जीत सके। इनमें एक नालंदा और एक पूर्णिया की सीट थी। बाकी 36 सीटों पर उनकी हार हो गई।

JDU सूत्रों की मानें तो उसी साल से नीतीश कुमार का दिल टूट गया था। नीतीश कुमार ने वक्फ संशोधन बिल पर खुलकर सरकार को समर्थन करने की अपनी सहमति दे दी थी। उनका मानना था कि हम उनके लिए काम करते हैं, लेकिन वे हमारा सपोर्ट नहीं करते हैं।

जदयू के एक नेता ने दैनिक भास्कर को बताया कि पॉलिटिक्स करने के लिए कपड़ा जरूरी है न। ऐसे में जो पार्टी हमें पद और कद दोनों दे रही है, हम उनके एजेंडे का विरोध क्यों करें। इसलिए हमारे नेतृत्व ने इस बिल पर सपोर्ट देने का निर्णय लिया।

2. JDU मान चुकी है उसे मुस्लिम वोट नहीं मिलने वाला

JDU के एक बड़े नेता ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि नीतीश कुमार ने 2005 से लेकर अब तक बहुत प्रयास किया कि उन्हें मुस्लिम वोट मिले। 2010 तक थोड़ा बहुत सपोर्ट मिला भी। इसके बाद मुस्लिम इनसे दूर होते चले गए।

ऐसे में अब JDU की टॉप लीडरशिप ने इस बात को स्वीकार कर लिया है कि बिहार में मुस्लिम वोट एकतरफा है। ये कुछ भी कर लें, बीजेपी से अलग हो जाएं, आरजेडी के साथ आ जाएं। इन्हें मुस्लिम वोट नहीं मिलने वाला है। ऐसे में इन्होंने बीजेपी को साथ देने का निर्णय लिया।

CSDS-लोकनीति के पोस्ट-पोल सर्वे 2020 के मुताबिक, RJD और कांग्रेस के महागठबंधन को 75% मुस्लिम वोट मिले थे। वहीं, BJP और JDU वाले NDA को 5% और चिराग पासवान की पार्टी LJP (रामविलास) को 2% मुस्लिम वोट मिले।

3. कमजोर नीतीश को 2025 के लिए बीजेपी का साथ जरूरी

2020 विधानसभा चुनाव में नीतीश कुमार की पार्टी तीसरे नंबर की बन गई थी। 2005 विधानसभा चुनाव के बाद ऐसा पहली बार हो रहा था जब नीतीश कुमार को बीजेपी से भी कम सीटें हासिल हुई थीं। इसके लिए सबसे बड़ा जिम्मेदार चिराग पासवान को माना गया।

2020 के चुनाव के बाद नीतीश कुमार भले सीएम बने रहे, लेकिन उन्हें दो बार पाला बदलना पड़ा। पहले बीजेपी का साथ छोड़कर वे राजद के साथ गए। इसके बाद दोबारा वे बीजेपी के साथ आए।

बिहार में अगले 6 महीने में विधानसभा का चुनाव होना है। नीतीश कुमार की सेहत पर पहले से ही सवाल उठ रहे हैं। जदयू को बिहार में अपनी स्थिति को मजबूत रखने के लिए एक पुराने और भरोसेमंद साथी की जरूरत है। ऐसे में बीजेपी से ज्यादा भरोसेमंद उनके लिए कोई और पार्टी नहीं हो सकती है।

2015 के बाद से मुस्लिमों का नीतीश कुमार से मोहभंग

बात 2024 लोकसभा चुनाव की है। नीतीश कुमार NDA की एक मीटिंग में शामिल थे। यहां सीएम को कहना पड़ा, 'मुसलमानों को जाकर बताइए, उनके लिए सरकार ने क्या-क्या काम किया है। RJD आ गई तो दंगा फसाद करेगी।'

इस बयान का संदेश साफ था। नीतीश कुमार भी ये मान चुके थे कि इस समाज का अब उनसे मोह भंग हो चुका है। 2024 के लोकसभा और 2020 के विधानसभा चुनाव के नतीजों में नीतीश कुमार की पार्टी के एक भी मुस्लिम कैंडिडेट जीतने में सफल नहीं हो पाए थे।

2015 विधानसभा चुनाव में आखिरी बार JDU से 5 मुस्लिम विधायक जीते थे। 2019 के लोकसभा चुनाव में JDU के एक भी मुस्लिम सांसद नहीं जीत पाए थे। 2020 के विधानसभा चुनाव में जदयू ने 11 मुस्लिम कैंडिडेट को मैदान में उतारा, लेकिन एक भी कैंडिडेट जीतने में सफल नहीं रहे। यही हाल 2024 के लोकसभा चुनाव में भी हुआ, जदयू के एक भी कैंडिडेट चुनाव नहीं जीत पाए।

अब जानिए, नीतीश ने मुस्लिमों के लिए क्या किया

JDU का दावा है कि 2005 में सत्ता में आने के बाद नीतीश कुमार ने मुस्लिमों की कई पुरानी डिमांड को एक-एक करके पूरा किया। पटना में हज भवन का निर्माण, अंजुमन इस्लामिया की मॉडर्न बिल्डिंग का निर्माण, मदरसा के शिक्षकों की सैलरी सरकारी स्कूल के शिक्षकों के बराबर करना, उर्दू शिक्षकों की बहाली, कब्रिस्तान की घेराबंदी या हर विधानसभा क्षेत्र में आवासीय स्कूल और छात्रावास का निर्माण, हायर एजुकेशन के लिए मुस्लिम छात्रों को स्कालरशिप जैसी कई योजनाएं 2005 से लेकर अब तक शुरू की गई हैं।

कूटनीति

विवेक शुक्ला

जंग हुई तो क्या चीन देगा पाक का साथ!

पहलगाम में 26 मासूम लोगों के कत्ल के बाद भारत-पाकिस्तान आमने-सामने हैं। क्या दोनों पड़ोसी मुल्कों के बीच जंग होगी? क्या जंग हुई तो चीन पाकिस्तान के साथ खड़ा होगा? इन सवालों पर समर नीति और कूटनीति के जानकार आजकल माथापच्ची कर रहे हैं। अगर बात कारगिल जंग (1999) की करें तो तब चीन ने पाकिस्तान का खुलकर या प्रत्यक्ष रूप से सैन्य या राजनयिक समर्थन नहीं किया था। भले ही चीन और पाकिस्तान के बीच गहरे रणनीतिक संबंध हैं, जिन्हें अक्सर सदाबहार दोस्ती कहा जाता है। पाकिस्तान के नेता हर संकट के वक्त बीजिंग पहुंच जाते हैं कटोरा लेकर। दरअसल कारगिल संघर्ष के दौरान चीन की प्रतिक्रिया काफी सधी हुई थी। चीन ने तब आधिकारिक तौर पर भारत और पाकिस्तान से संयम बरतने और बातचीत के माध्यम से मुद्दे को हल करने का आग्रह किया। यानी चीन उस समय पाकिस्तान के साथ खड़ा नहीं हुआ था। चीन ने नियंत्रण रेखा का सम्मान करने का दोनों पक्षों से आग्रह किया था। यह परोक्ष रूप से पाकिस्तान की आलोचना थी, क्योंकि पाकिस्तानी सेना ने नियंत्रण रेखा का उल्लंघन करके भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ की थी। जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी के चीनी विभाग के अध्यक्ष प्रो. तान चुंग का कहना था कि चीन बहुत प्रेक्टिल देश है। वह बहुत सोच-समझकर ही खुलकर किसी देश के साथ खड़ा होता है। जानकारों का कहना है कि जब कारगिल युद्ध के समय तत्कालीन पाकिस्तानी सेना प्रमुख परवेज़ मुशर्रफ़ समर्थन मांगने चीन गए, तो चीनी नेतृत्व ने उन्हें पीछे हटने और मामले को शांतिपूर्वक सुलझाने की सलाह दी। चीन इस संघर्ष को बढ़ते हुए नहीं देखना चाहता था। चीन का मत था कि दो परमाणु-सशस्त्र पड़ोसियों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंध रहने चाहिए। दरअसल, तब चीन ने पाकिस्तान की कार्रवाई की सार्वजनिक रूप से निंदा नहीं की थी, पर उसने पाकिस्तान की कारगिल में सैन्य घुसपैठ का समर्थन भी नहीं किया था। 1965 और 1971 के भारत-पाक युद्धों में चीन ने पाकिस्तान का समर्थन जरूर किया था, लेकिन 'खुलकर साथ' होने की व्याख्या थोड़ी जटिल है और दोनों युद्धों में उसकी भूमिका थोड़ी अलग थी। चीन ने 1965 की जंग के वक्त भारत की कड़ी आलोचना की और पाकिस्तान को अपना पूर्ण राजनयिक समर्थन दिया। चीन ने भारत पर सिक्किम सीमा पर उल्लंघन का आरोप लगाते हुए सैन्य कार्रवाई की धमकी दी। उसने सीमा के पास अपनी सेना की कुछ गतिविधियां भी बढ़ाईं, जिससे भारत पर दूसरा मोर्चा खुलने का दबाव बना। यह पाकिस्तान के लिए एक महत्वपूर्ण नैतिक और रणनीतिक समर्थन था। हालांकि चीन ने धमकियां दीं और दबाव बनाया, लेकिन उसने भारत के खिलाफ सीधे तौर पर कोई बड़ी सैन्य कार्रवाई नहीं की। उसका समर्थन मुख्यतः राजनयिक और मनोवैज्ञानिक दबाव तक ही सीमित रहा। वह सीधे युद्ध में शामिल नहीं हुआ। चीन ने 1971 में भी पाकिस्तान का राजनयिक समर्थन जारी रखा और भारत के हस्तक्षेप की आलोचना की, खासकर संयुक्त राष्ट्र में। हालांकि 1971 में चीन का दबाव काफी कम था। कूटनीति मामलों के जानकार इसके कई कारण बताते हैं। भारत-सोवियत संधि (1971) ने चीन को हतोत्साहित किया, क्योंकि भारत पर हमले की स्थिति में सोवियत संघ के हस्तक्षेप की संभावना थी। चीन उस समय सोवियत संघ के साथ तनावपूर्ण संबंध रखता था। इसके साथ ही सर्दियों में हिमालय के दुर्गम दर्रों से बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई करना चीन के लिए बहुत मुश्किल था। मतलब चीन ने 1971 में भी कोई सीधा सैन्य हस्तक्षेप नहीं किया। एक बात समझ लें कि भले ही भारत-चीन के बीच सीमा विवाद है, पर चीन को मालूम है कि भारत उसके उत्पादों के लिए एक बड़ा बाजार है। यह बात उसे आजकल खासतौर पर समझ आ रही होगी क्योंकि अमेरिका उस पर भारी-भरकम टैरिफ लगा रहा है। फिलहाल भारत-चीन के बीच सालाना आपसी व्यापार 125 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। समझ लें कि भारत-चीन ने तय कर लिया है कि इनका जटिल सीमा विवाद का कोई हल निकले या ना निकले, पर ये अपने आपसी कारोबारी संबंधों को प्रभावित नहीं होने देंगे। हमारा चीन के साथ कुछ साल पहले तक व्यापार घाटा 29 अरब रुपए तक का हो गया था। पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला भी मानते हैं कि इस व्यापार घाटे को संतुलित करने की जरूरत है। पर फिलहाल सबकी निगाहें इस बात पर है कि भारत-पाक के बीच जंग वाली स्थिति बनी तो चीन किसका साथ देगा। तो जान लें कि चीन युद्ध की स्थिति में पाक का खुलकर साथ नहीं देगा।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

प्रसन्न रहने की शुरुआत घर से हो

संकलित

दर्शन

महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रसन्न रहने की शुरुआत अपने घर से ही होनी चाहिए। हम बाहर तो बहुत खुश रहते हैं, लेकिन घर में अकारण क्रोध से भरे रहते हैं। सभी लोग, खासतौर पर युवा इस बात का ध्यान रखें कि उन्हें घर में भी प्रसन्न रहना है। युवाओं को यह बात याद रहे, इसलिए एक नया मंत्र दे रहा हूं। वे घर और परिवार में भी शांति रखें। कई लोग बाहर से घर में आते ही क्रोधित हो जाते हैं। वे अकारण गुस्सा कर घर वालों को मायूस कर देते हैं। यह हत्या कर देने जैसा अपराध है। मुश्किल यह है कि ये लोग अपनी कमी को मानते भी नहीं। कम से कम वे यह मान लें कि उसमें यह कमी है तो कभी न कभी वह कमी दूर भी की जा सकती है। लंका में कोई मानता ही नहीं था कि वहां कोई रोगी है। परिणाम सबके सामने है। जो माने ही नहीं कि अस्वस्थ है, वह स्वस्थ कैसे हो सकता है? एक और मंत्र याद रखें-छोटी-मोटी बातों को अनदेखा करें। व्यर्थ विवाद में मत उलझें। बात-बात में उलझने की आदत से अशांति ही पैदा होती है। सच्ची प्रसन्नता चाहिए तो इधर-उधर की बातें सुनना ही छोड़ दें। अस्तित्व के संगीत को सुनने की कोशिश करें। याद रखें, जिसे प्रसन्न रहना है, उसे कोई रोक नहीं सकता और जिसे दुखी ही रहना है, उसे कोई प्रसन्न नहीं कर सकता। कुछ लोगों को प्रसन्न रहना ही नहीं है। वे परेशान और दुखी होने के बहाने खोजते रहते हैं। इस आदत को बदलने की कोशिश ईमानदारी के साथ की जानी चाहिए।

योजना बनाकर किए काम में मिलती है सफलता

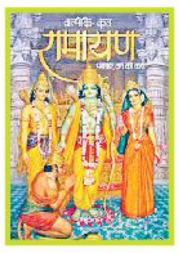

संकलित

प्रेरणा

रामायण में देवी सीता का हरण हो गया था। श्रीराम और लक्ष्मण सीता को खोज रहे थे। राम-लक्ष्मण उस जंगल में पहुंच गए, जहां सुग्रीव बाली की डर से छिपे हुए थे। सुग्रीव के साथ ही हनुमान जी भी थे। सुग्रीव ने दो राजकुमारों को देखा तो वे डर गए। सुग्रीव ने सोचा कि बाली ने मुझे मारने के लिए इन्हें यहां भेजा है। सुग्रीव ने हनुमान जी से कहा कि आप देखिए वहां दो राजकुमार दिख रहे हैं, वहां जाकर मालूम करो कि कहीं ये हमारे शत्रु तो नहीं हैं। अगर वे शत्रु हैं तो वहीं से इशारा कर देना, हम यहां से कहीं और भाग जाएंगे। अगर वे मित्र हैं तो वहीं से इशारा करना, हम यहीं रुक जाएंगे। हनुमान जी सुग्रीव की आज्ञा पाते ही उन दोनों राजकुमारों के सामने पहुंच गए। हनुमान जी वेष बदलकर गए थे। हनुमान जी ने बुद्धिमानी का उपयोग करते हुए अपना सही परिचय बताए बिना राम-लक्ष्मण की परख की। जब हनुमान जी को मालूम हुआ कि ये राम-लक्ष्मण हैं तो वे अपने असली रूप में आ गए और सुग्रीव को इशारा कर दिया कि ये हमारे शत्रु नहीं हैं। हनुमान जी ने राम-लक्ष्मण से कहा कि आप मेरे राजा सुग्रीव के पास चलिए और उनसे मित्रता कर लीजिए। हनुमान जी राम-लक्ष्मण को लेकर सुग्रीव के पास पहुंचे और इनकी मित्रता कराई। हनुमान जी समझ गए थे कि इन दोनों की समस्याएं एक-दूसरे की मदद से हल हो सकती हैं। इस मित्रता के बाद श्रीराम ने बाली वध किया और सुग्रीव को राजा बना दिया। इसके बाद सुग्रीव ने अपनी पूरी वानर सेना सीता की खोज में लगा दी। वानर सेना ने रावण से युद्ध में भी श्रीराम का साथ दिया था।

अंतर्मन

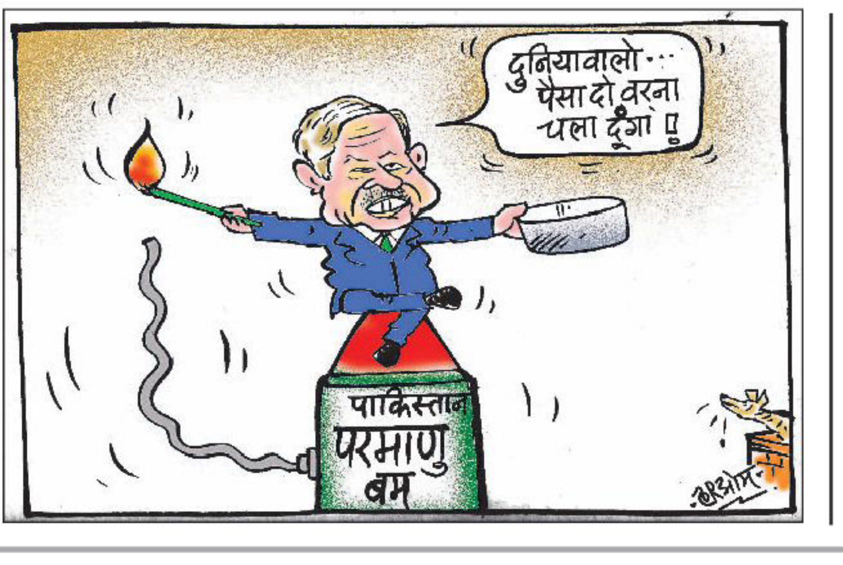

आज की पाती

सबसे पहले इन दुष्ट दानवों की लगाम कसी जाए

पहलगाम में आतंकियों के इस अत्यंत ही जघन्य, कायरतापूर्ण हमले के बाद सारे भारत में दुख, पीड़ा और आक्रोश की लहर फैल चुकी है। दुनिया भलीभांति जानती है कि भारत विश्वशांति का सबसे बड़ा समर्थक और संरक्षक रहा है, लेकिन आतंकवाद और उग्रवाद का जनक पाकिस्तान अगर ऐसे कायरता के दुषकार्य करता रहेगा, तो भारत सहित दुनिया के लगभग सभी देशों द्वारा पाकिस्तान के नेताओं, उग्रवादियों को कड़ा सबक सिखाकर स्थाई समाधान करना अनिवार्य हो जाता है। स्वयं और समस्त संसार की रक्षा और सुरक्षा करना भी हम सभी का परम कर्तव्य है। मानवता और विश्वशांति को धता बताने वाले इन पाकिस्तानी दुष्टो, दानवों को तुरंत ही धर दबोच कर कठोर दंड दिया जाए।

- विनय दीक्षित, रायगढ़

ट्रेंड

मार्क जे कार्नी को बधाई

मार्क जे कार्नी को कनाडा के प्रधानमंत्री के रूप में चुनने और लिबरल पार्टी को उनकी जीत पर बधाई। भारत और कनाडा साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, कानून के शासन के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता और लोगों के बीच जीवंत संबंधों से बंधे हैं। हमारी साझेदारी के लिए आपके साथ काम करने को उत्सुक हूं।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

अश्रुपूर्ण नमन

लेह-लद्दाख में वीरगति को प्राप्त हुए हरियाणा के लाल नवीन श्योराण को अश्रुपूर्ण नमन। प्रभु से दिवंगत आत्मा को शांति व शोकाकुल परिजनों को संबल प्रदान करने की प्रार्थना करता हूँ। दुःख की घड़ी में हम उनके परिजनों के साथ खड़े हैं।

-नायब सैनी, सीएम, हरियाणा

वैभव का निडर दृष्टिकोण

वैभव का निडर दृष्टिकोण, बल्लेबाजी की गति और अपनी पूरी शक्ति गेंद पर लगा देना उनकी शानदार पारी का नुस्खा था। इसका परिणाम यह था कि वह 38 गेंद पर 101 रन बनाने में सफल रहे।

-सचिन तेंदुलकर, क्रिकेटर

मुझे चुनने के लिए धन्यवाद

मुझे जो सम्मान दिया गया है, मैं उसे अपने राष्ट्र की भलाई के लिए काम करते रहने की जिम्मेदारी के रूप में स्वीकार करता हूँ और मैं भारत सरकार को इस सम्मान के लिए मुझे चुनने के लिए धन्यवाद देता हूँ।

-शेखर कपूर, फिल्मकार

रॉयल पत्रिका

करंट अफेयर

श्रीलंका में बुद्ध के दांत के अवशेष की प्रदर्शनी संपन्न

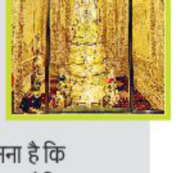

भगवान बुद्ध के दांत के अवशेष की दुर्लभ प्रदर्शनी श्रीलंका के कैंडी शहर में संपन्न हुई। आधिकारिक बयान से यह जानकारी मिली। यह प्रदर्शनी 18 अप्रैल को शुरू हुई और रविवार को समाप्त हुई। मुख्य बौद्ध भिक्षुओं ने एक संयुक्त बयान में कहा कि प्रदर्शनी देखने के लिए रिकार्ड संख्या में लोग एकत्र हुए। 2.1 करोड़ आबादी वाले देश में 74 प्रतिशत सिंहली बौद्ध बहुसंख्यकों के लिए बुद्ध के दांत के अवशेष का विशेष आध्यात्मिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व है। हजारों बौद्ध श्रद्धालुओं ने 10 दिन की इस प्रदर्शनी में हिस्सा लिया जो 2009 के बाद से इस तरह का पहला आयोजन था। आयोजकों का अनुमान था कि करीब 20 लाख श्रद्धालु इसमें भाग लेंगे। हालांकि अधिकारियों का मानना है कि अनुमानित संख्या के आधे से भी कम लोग इसमें शामिल हुए क्योंकि अधिकारियों ने इतनी बड़ी संख्या में आए श्रद्धालुओं के लिए बुनियादी स्वच्छता सुविधाएं उपलब्ध कराने में असमर्थता जताते हुए लोगों के प्रवेश पर रोक लगा दी। कैंडी की नगर आयुक्त इंडिका कुमारी ने संवाददाताओं से कहा, 'हमें खुशी है कि यह कार्यक्रम सम्पन्न हो गया है। लेकिन हमारे पास कैंडी में बनाए गए विभिन्न अस्थायी ढांचों को हटाने का बड़ा काम रह गया है।'

ऑफ बीट

खुद सब्जियां उगाने वाले कम भोजन करते हैं बर्बाद

जीवन यापन के बढ़ते खर्च से लोगों, विशेष रूप से कम आय वाले (जिनका आहार अक्सर समुचित नहीं होता है), के लिए स्वस्थ आहार का खर्च उठा पाना कठिन होता जा रहा है। इसके बावजूद, ब्रिटेन में घरों में हर साल आश्चर्यजनक मात्रा में भोजन बर्बाद होता है। इसमें लगभग 68 किलोग्राम फल और सब्जियां भी शामिल है। खाने की बर्बादी न केवल आपकी जेब पर भारी पड़ती है, बल्कि यह पर्यावरण के लिए भी हानिकारक है। वैश्विक स्तर पर, हर साल 1.3 अरब टन भोजन बर्बाद हो जाता है, जिससे दुनिया के ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का लगभग आठ प्रतिशत उत्पन्न होता है। ये उत्सर्जन खाद्य आपूर्ति श्रृंखला के सभी चरणों में अप्रयुक्त भोजन से उत्पन्न होता है। हमारे हालिया अध्ययन से हालांकि पता चला है कि जो लोग बगीचों और आवंटित जमीनों में फसल और सब्जियां स्वयं उगाते हैं, वे औसतन केवल 3 .4 किलोग्राम फल और सब्जियां बर्बाद करते हैं – जो ब्रिटेन के औसत से 95 प्रतिशत कम है। इन परिवारों ने भोजन की बर्बादी को कम करने के लिए विभिन्न प्रथाओं को अपनाया, जिसमें अपनी अतिरिक्त उपज को संरक्षित करना या किसी अन्य को दे देना भी शामिल है।

मुख्यमंत्री ने यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में राजस्थान के चयनित अभ्यर्थियों का किया सम्मान

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा में राजस्थान के चयनित अभ्यर्थियों का सम्मान कर बधाई दी और विश्वास व्यक्त किया है कि वे सभीअमृत काल के योद्धा के रूप में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने में अपना योगदान देंगे तथा उत्कृष्ट लोक सेवा के माध्यम से हमेशा राजस्थान का नाम देशभर में रोशन करेंगे।

शर्मा ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित सम्मान समारोह कोसंबोधित करते हुए कहा कि हमारी सरकार ने पिछले वर्ष से चयनित प्रतिभाओं के सम्मान की पहल की है। देश की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक माने जाने वाली यह परीक्षा पास करके प्रदेश के युवाओं ने अपने माता-पिता के साथ ही क्षेत्र और पूरे प्रदेश का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा किइस सफलता के बाद जीवन में बेहतर कार्य करते हुए परिजनों की खुशी के भाव को जीवन में आगे भी बनाएं रखें।

दृढ़ संकल्प व मेहनत से मिलती है सफलता -

मुख्यमंत्री ने 'कर्ता के आगे हारे करतार' उक्ति का उल्लेख करते हुए कहा कि किसी भी कार्य में सफलता पाने के लिए कठिन परिश्रम करना पड़ता है तथा दृढ़ संकल्प के साथ की गई मेहनत सेसफलता अवश्य मिलतीहै। उन्होंने कहा किइस प्रतिष्ठित परीक्षा में सफलता के बाद भी चयनित युवाओं के जीवन में नए परिश्रम का दौर शुरू होगा। क्योंकि राष्ट्र निर्माण और गरीब कल्याण में लोक सेवक की महत्वपूर्ण भूमिका होती हैं। उन्होंने जीवन में विनम्रता एवं धैर्य को अपनाते हुए आमजन की आकांक्षाओं को पूरा करने का आह्वान किया।

लोक सेवा के जरिए देशभर में बढ़ाएं प्रदेश का गौरव -

शर्मा ने कहा कि लोक सेवक प्रशासन के कर्णधार हैं तथा लोक सेवा का महत्व हमारे समाज और राष्ट्र के लिए असीमित है। इसलिए लोक सेवकों का नवाचारी होना महत्वपूर्ण है, ताकि आम लोगों को बेहतर नागरिक-केंद्रित सेवाएं प्रदान की जा सकें। उन्होंने आह्वान किया किहमारे प्रदेश की मिट्टी ने हमेशा से वीरों, विद्वानों और कर्मठ लोगों को जन्म दिया है और अब वे सभी भी अपनी सेवा के माध्यम से गौरवमयी मिट्टी की खुशबू को फैलाएं औरकर्मभूमि के साथ ही जन्मभूमि से जुड़े रहे।

समारोह में मुख्य सचिव ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सिविल सेवा में चयनित प्रतिभाओं के सम्मान की इस पहल से प्रदेश के होनहारों को प्रेरणा मिल रही है। उन्होंने कहा कि लोकसेवक के रूप में देश और समाज की सेवा का सौभाग्य चुनिंदा लोगों को ही मिल पाता है। महानिदेशक पुलिस ने कहा कि अपने सेवाकाल में हमेशा गरीब कल्याण को प्राथमिकता दें और अपनी सफलता में माता-पिता और परिजनों के योगदान को कभी नहीं भूले।

समारोह में जयपुर निवासी दृष्टिबाधित मनु गर्ग ने मुख्यमंत्री से संवाद करते हुए बताया कि उन्होंने दृष्टिबाधित होने के बावजूद सिविल सेवा परीक्षा में देशभर में 91वां स्थान हासिल किया है। उन्होंने अपनी इस सफलता का मूल मंत्र अपनी माताजी के संकल्प को बताया। वहीं देशभर में 20वां स्थान हासिल करने वाले जोधपुर निवासी त्रिलोक सिंह ने बताया कि लोक सेवक के रूप में वे भारतीय सेना में सेवा दे चुके अपने पिता द्वारा दी गई प्रेरणा को आगे बढ़ाएंगे।

मुख्यमंत्री ने चयनित प्रतिभाओं को शॉल ओढ़ाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया। कार्यक्रम के अन्त में मुख्यमंत्री के साथ चयनित युवाओं का सामूहिक फोटो सेशन भी हुआ। इस अवसर पर राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी एवं यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में चयनित अभ्यर्थी मौजूद रहे।

ईसरदा बांध का 90 प्रतिशत कार्य पूर्ण

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा प्रदेश के हर छोर तक सुचारू पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित कर रहे है। मुख्यमंत्री के निर्देशन में सवाई माधोपुर और दौसा जिले में पेयजल आपूर्ति की दृष्टि से महत्वपूर्ण ईसरदा बांध का निर्माण कार्य मिशन मोड़ पर किया जा रहा है। बांध के निर्माण का 90 फीसदी कार्य पूर्ण हो चुका है। बांध के पियर्स एवं गेटों का कार्य पूरा हो चुका है। डैम एवं कॉक्रीट स्पिलवे का कार्य 15 जून तक पूर्ण किये जाने का प्रयास है।

इसी के तहत शनिवार को जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं भूजल विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव भास्कर ए सावंत ने ईसरदा बांध परियोजना के निर्माण कार्य, फिल्टर प्लांट साइट के कार्यों का निरीक्षण किया। साथ ही, विभागीय अभियंताओं को कार्य प्रगति को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने प्रभावित परिवारों को भूमि आवंटन, पुनर्वास अवार्ड कार्य की पूर्णता को समयबद्ध सीमा में पूर्ण करने पर जोर दिया। भूमि अधिग्रहण से संबंधित प्रकरण, रेलवे एवं वन विभाग से संबंधित मुद्दों पर चर्चा कर इनका शीघ्र समाधान किये जाने की बात कही।

इस दौरान उपखंड अधिकारी उनियारा शत्रुघन गुर्जर, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अतिरिक्त मुख्य अभियंता राजसिंह, अधीक्षण अभियंता टोंक राजेश गोयल, बीसलपुर परियोजना के अधीक्षण अभियंता मनोज सिंह, ईसरदा बांध के अधीक्षण अभियंता विजय शर्मा, अधिशाषी अभियंता विकास गर्ग, सहायक अभियंता अभिषेक लसाड़िया समेत अन्य मौजूद रहे।

दो चरणों में निर्माण, प्रथम चरण में पूर्ण भराव स्तर 262 आरएल मीटर तक

ईसरदा बांध बीसलपुर बांध के डाउन स्ट्रीम में ग्राम बनेठा (तहसील उनियारा) टोंक के पास बनास नदी पर बनाया जा रहा है। इसका निर्माण दो चरणों में किया जाना है। प्रथम चरण में डैम का निर्माण पूर्ण भराव स्तर 262 आरएल मीटर (भराव क्षमता 10.77 टीएमसी) तक पूर्ण किया जाएगा। इसमें पानी का भंडारण 256 आरएल मीटर भराव क्षमता 3.24 टीएमसी है। दूसरे चरण में बांध में पूर्ण भराव क्षमता 262 आरएल मीटर तक पानी संग्रहित हो सकेगा।

1 हजार 256 गांवों और 6 शहरों को स्वच्छ पेयजल मिलेगा

आगामी मानसून के दौरान बांध में जल संग्रहित किया जा सकेगा। इसके बाद दौसा के 1 हजार 79 ग्राम और 5 शहरों तथा सवाई माधोपुर के 1 शहर तथा 177 गांवों में पेयजल की सुचारू आपूर्ति हो सकेगी।

यह परियोजना जल संकट समाधान के साथ बीसलपुर बांध के अधिशेष पानी और बनास नदी के बारिश के जल का कुशल प्रबंधन भी सुनिश्चित करेगी। साथ ही, ईसरदा बांध से रामजल सेतु लिंक परियोजना (संशोधित पीकेसी-ईआरसीपी लिंक परियोजना) के तहत अन्य बांधों को पेयजल के लिए आपूर्ति हो सकेगी।

बांध निर्माण कार्य की प्रगति

बांध निर्माण में ओवरफ्लों वाले भाग में स्पिलवेय ब्रिज में स्लैब निर्माण का कार्य प्रगतिरत है। अभी तक 28 के विरुद्ध 28 स्लैब डाली जा चुकी है।

साथ ही, 28 पीयर्स के विरुद्ध 28 पियर्स वांछित ऊंचाई तक पूर्ण किए जा चुके है। बांध में 84 गर्डर के विरुद्ध 84 गर्डर लॉन्च किए गए है। बांध में 28 ब्लॉक एप्रेन के विरुद्ध 23 ब्लॉक एप्रेन का निर्माण किया जा चुका है। बांध में 28 पावर पैक रूम के विरुद्ध 28 पावर पैक रूम और 28 रेडियल गेट के विरुद्ध 28 रेडियल गेट का निर्माण हो गया है। बांध में 56 हाइड्रोलिक सिलेंडर के विरुद्ध 56 हाइड्रोलिक सिलेंडर भी लगाए जा चुके हैं। मिट्टी के बांध का कार्य लगभग 82 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है। मुख्य बांध का कार्य लगभग 90 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है।

नवीन चरण स्वास्थ्य सेवाओं को बनाएगा और उन्नत, दायरा बढ़ने से आमजन को मिलेगा उच्च स्तरीय उपचार : चिकित्सा मंत्री

जयपुर,(रॉयल पत्रिका)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना का नवीन चरण स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक उन्नत एवं बेहतर बनाएगा। योजना का दायरा बढ़ने और इंटर स्टेट पोर्टेबिलिटी लागू होने से आमजन को अत्याधुनिक एवं उच्च स्तरीय उपचार मिलेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे राज्य सरकार की इस योजना का बेहतरीन ढंग से संचालन सुनिश्चित करें और रोगियों को निर्बाध रूप से इसका लाभदिलाएं।

खींवसर शनिवार को स्वास्थ्य भवन में मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के नए चरण के बेहतर एवं सुगम क्रियान्वयन को लेकर आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गरीब एवं जरूरतमंद सहित अन्य वर्गों के लिए मा योजना जीवनदायी पहल है। राज्य सरकार ने इस वित्तीय वर्ष के बजट में इस योजना का दायरा इतना विस्तृत कर दिया है कि अब सामान्य बीमारी से लेकर रोबोटिक सर्जरी तक का उपचार इस योजना में मिल रहा है। अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि योजना के क्रियान्वयन में किसी तरह की लापरवाही नहीं हो और सूचीबद्ध चिकित्सा संस्थानों में इस योजना का गुणवत्ता के साथ पूरा लाभ मिले।

क्लेम का होगा त्वरित निपटान

चिकित्सा मंत्री ने कहा कि योजना के तहत क्लेम के त्वरित एवं सरल निपटान की प्रक्रिया अपनाई जाए। चिकित्सा संस्थानों में उपचार की प्रक्रिया को भी अधिक सुगम बनाया जाए, ताकि लोगों को उपचार आसानी से और समय पर मिले। उन्होंने कहा कि यह राजस्थान के लिए एक बड़ी उपलब्धि है कि अब अन्य राज्यों के लोग भी यहां उपचार के लिए आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस योजना के माध्यम से आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं और निजी अस्पतालों की उपलब्धता का लाभ आमजन को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि विभिन्न हितधारकों के सहयोग से इस योजना की दक्षता में वृद्धि होगी।

स्वास्थ्य बीमा से हर नागरिक की स्वास्थ्य सुरक्षा पर फोकस

खींवसर ने विभिन्न बीमा सेवा प्रदाताओं से संवाद किया और प्रतिस्पर्धी कंपनियों का गहन विश्लेषण भी किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान स्वास्थ्य बीमा की दृष्टि से देश का अव्वल राज्य है। हमारा फोकस है कि स्वास्थ्य बीमा के माध्यम से प्रदेश के हर नागरिक की स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित हो। लोग इलाज के खर्च चिंता मुक्त हों और उन्हें विश्व स्तरीय उपचार की सुविधाएं निःशुल्क मिलें।

मा योजना स्वास्थ्य प्रणाली की रीढ़

खींवसर ने कहा कि मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना राज्य की स्वास्थ्य प्रणाली की रीढ़ है और इसका भविष्य उज्ज्वल है। यह योजना ना केवल लोगों को गुणवत्ता युक्त स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवा रही है, बल्कि राज्य की चिकित्सा व्यवस्था को भी एक नई दिशा दे रही है। योजना से निजी एवं राजकीय क्षेत्र के अस्पतालों की आय में वृद्धि होने के साथ ही उनमें उच्च स्तरीय सुविधाओं का विकास भी संभव हुआ है। उन्होंने कहा कि योजना से संबद्ध निजी अस्पताल पूरी पारदर्शिता और जीवन रक्षा की भावना के साथ इस योजना का लाभ आमजन को दें। किसी भी स्तर पर कोई अनियमितता नहीं हो। अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि सभी अस्पतालों को क्लेम का भुगतान समयबद्ध रूप से हो।

एम्पेनलमेंट नियम हुए सरल, पैकेज की संख्या बढ़ी

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने बताया कि प्रदेशभर में योजना का बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। पैकेज की संख्या बढ़ने, अस्पतालों के एम्पेनलमेंट के नियमों को सरल करने तथा इंटर स्टेट पोर्टेबिलिटी जैसे प्रावधान लागू होने से अब योजना का संचालन और बेहतर हुआ है। हमारा प्रयास है कि योजना के संचालन की प्रक्रियाएं अधिक जनोन्मुखी हों ताकि राजधानी से लेकर गांव—कस्बों तक इसका ज्यादा से ज्यादा लोगों को लाभ मिले।

प्रतिदिन 8 हजार से ज्यादा लोगों को लाभ

राजस्थान स्टेट हैल्थ एश्यारेंस एजेंसी की मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती प्रियंका गोस्वामी ने योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि योजना में करीब 1 करोड़ 34 लाख परिवार पंजीकृत हैं। प्रतिदिन औसतन 8 हजार लोगों को इस योजना से लाभ मिल रहा है। अब योजना में पैकेज की संख्या 1800 से बढ़कर करीब 2300 हो गई है।

साइबर सिक्योरिटी में भी सर्वश्रेष्ठ बनेगा राजस्थान - राज्यवर्धन राठौड़

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। सूचना प्रौद्योगिकी और संचार मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ की अध्यक्षता में योजना भवन में शनिवार को आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक में साइबर सिक्योरिटी को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए व्यापक रणनीति पर चर्चा की गई। बैठक में तकनीकी उन्नति, मानव संसाधन और प्रक्रियाओं के विकास पर चर्चा की गई।

पीपल, प्रोसेस, टेक्नोलॉजी का त्रि-आयामी दृष्टिकोण

आईटी मंत्री कर्नल राठौड़ ने बैठक में साइबर सिक्योरिटी के लिए समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि साइबर सिक्योरिटी केवल सॉफ्टवेयर या हार्डवेयर तैयार करने तक सीमित नहीं है। इसके लिए तीन प्रमुख तत्वों—पीपल (लोग), प्रोसेस (प्रक्रियाएं) और टेक्नोलॉजी (प्रौद्योगिकी) का समन्वय जरूरी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि केवल तकनीक पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। इसके लिए स्वदेशी तकनीक को बढ़ावा देना होगा ताकि विदेशी निर्भरता कम हो।

प्रशिक्षित कार्मिक: साइबर सिक्योरिटी की रीढ़

कर्नल राठौड़ ने बैठक में मानव संसाधन के विकास पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि साइबर सिक्योरिटी से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों की दक्षता बढ़ाने के लिए संरचित और असंरचित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि हर दिन प्रशिक्षण, जागरूकता का विस्तार और ग्रूमिंग होनी चाहिए। इसके लिए पर्याप्त बजट प्रावधान भी किए जाएंगे, जिससे सर्टिफाइड ट्रेनिंग प्रोग्राम्स के माध्यम से कर्मचारियों की क्षमता को और निखारा जा सके। इससे न केवल कर्मचारियों की तकनीकी दक्षता बढ़ेगी, बल्कि उनकी पेशेवर मूल्यवृद्धि भी होगी। साथ ही कार्य संस्कृति में सुधार होगा, जो दीर्घकालिक रूप से विभाग की कार्यक्षमता को बढ़ाएगा।

राजस्थान का विजन: देश में सर्वश्रेष्ठ होगा आईटी विभाग

आईटी मंत्री कर्नल राठौड़ ने राजस्थान के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग को देश का सर्वश्रेष्ठ बनाने का संकल्प दोहराया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नया भारत, मजबूत भारत है। हम नई सोच और दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ आगे बढ़ रहे हैं। हमारा लक्ष्य है कि राजस्थान का आईटी विभाग राष्ट्रीय स्तर पर एक मिसाल बने। इस दिशा में विभाग ने एक निश्चित समयावधि में अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने की योजना बनाई है। कर्नल राठौड़ ने भामाशाह डेटा सेंटर का उदाहरण देते हुए कहा कि यह वर्तमान में देश के अन्य राज्यों की तुलना में कहीं अधिक सुरक्षित और उन्नत है। यह डेटा सेंटर न केवल तकनीकी रूप से सक्षम है, बल्कि साइबर खतरों से डेटा की सुरक्षा सुनिश्चित करने में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

आरएमएससीएल को एलीट्स स्मार्ट गवर्नमेंट एक्सीलेंस अवार्ड—2025

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आरएमएससी) को वर्ष 2025 के प्रतिष्ठित एलीट्स स्मार्ट गवर्नमेंट एक्सीलेंस अवार्ड—2025 से सम्मानित किया गया है। एलिट्स टेक्नोमीडिया एण्ड एडिटर इन चीफ, ई—गवर्नमेंट मैगजीन, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग तथा कार्मिक विभाग, राजस्थान सरकार के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित समारोह में आरएमएससीएल को यह पुरस्कार दिया गया। आरएमएससीएल को यह पुरस्कार स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने की दिशा में ई-औषधि एवं ई-उपकरण सॉफ्टवेयर सहित अन्य तकनीकी नवाचारों के लिए प्रदान किया गया है।

निगम की प्रबन्ध निदेशक श्रीमती नेहा गिरि ने बताया कि प्रदेश में चिकित्सा सेवाओं को निरन्तर तकनीक के माध्यम से सुदृढ़ किया जाता रहा है। इसी क्रम में राजस्थान के समस्त चिकित्सा संस्थानों को राजस्थान डिजिटल स्वास्थ्य सेवा ई-उपकरण ऑनलाइन सॉफ्टवेयर के माध्यम से जोड़ा गया है। इससे उपकरणों की कमी की सूचना एवं उपकरणों के खराब होने की सूचना तत्काल प्रभाव से मिलने के साथ ही इनकी आपूर्ति एवं मेंटीनेंस का कार्य प्रभावी ढंग से संपादित किया जाना संभवन हुआ है।

इसी प्रकार ई-औषधि सॉफ्टवेयर के द्वारा राज्य के सभी चिकित्सालयों में दवाओं की आपूर्ति एवं वितरण सुगमता एवं पारदर्शिता के साथ हो रहा है। किसी भी चिकित्सालय में कितनी दवाइयां उपलब्ध हैं या कितनी दवाओं की कमी है, इसकी रियल टाइम मॉनिटरिंग संभव हो रही है। सॉफ्टवेयर के मायध्यम से दवाइयों की उपलब्धता ज्यादा मात्रा में होने पर उन दवाओं को अन्य चिकित्सा संस्थानों में भिजवाया जाता है, जिससे दवाओं के अवधिपार होने की संभावना नगण्य हो जाती है।

हाईकोर्ट ने परिवहन विभाग के आदेश पर रोक लगाकर मांगा जवाब

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। एनसीआर में 10 साल तक के डीजल वाहनों को चलाने की अनुमति होने के बावजूद एनसीआर के भरतपुर क्षेत्र में 07 साल पुराने बीएस-04 और यूरो-02 वाहनों का संचालन रोकने और केवल बीएस-06 व यूरो-04 वाहनों का ही संचालन करने की अनुमति देने के परिवहन विभाग के आदेश पर राजस्थान हाईकोर्ट में जस्टिस अनिल उपमन की बेंच ने अंतरिम रोक लगाकर परिवहन आयुक्त, कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट, एनसीआर सचिव एवं क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण भरतपुर को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। इस संबंध में मॉर्डन स्कूल व अन्य ने याचिकाए दायर कर हाईकोर्ट को बताया कि संस्थानों ने स्कूल और कॉलेज के विद्यार्थियों के आवागमन के लिए 2019 में बस खरीद कर उसका भरतपुर आरटीओ से रूट परमिट लिया था। रूट परमिट की अवधि पूरी होने पर आरटीओ ने उनका नवीनीकरण प्रार्थना पत्र खारिज कर बीएस-6 व यूरो-4 वाहन ही संचालित करने को कहा। जबकि एनजीटी ने 7 अप्रैल, 2015 को दिल्ली और एनसीआर में 10 साल पुराने डीजल वाहनों का संचालन नहीं करने को कहा था। इस आदेश पर सुप्रीम कोर्ट की अनुमति हैं। याचिकाकर्ताओं के खरीदे हुए इन वाहनों को 10 साल नहीं हुए हैं। उपरोक्त आदेशों को देखते हुए ही डीजल वाहनों की खरीद की थी।

छात्रवृत्ति आवेदनों में रेड फ्लैग को हटाने के लिए अंतिम अवसर

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग जयपुर ग्रामीण में लगभग साढ़े चार हजार से ज्यादा छात्रवृत्ति आवेदनों में लगाए गए रैड फ्लैग को हटाने के लिए विभाग की ओर से एक अंतिम मौका दिया गया है, जिसके बाद यदि आवेदकों ने इन आवेदनों में संशोधन नहीं कराया तो इन आवेदनों को विभाग की ओर से निरस्त कर दिया जाएगा।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक जितेन्द्र कुमार सेठी ने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2022-23, 2023-24 एवं 2024-25 में छात्रवृत्ति के लिए आवेदन करने वाले छात्रों को अभी तक छात्रवृत्ति नहीं मिली तो वह एक बार sso पोर्टल पर schol-arhip SJE एप पर लॉगिन कर आवेदन को चैक कर लें, क्योंकि विभाग की ओर से बड़ी संख्या में छात्रवृत्ति चाहने वालों को 'रैड फ्लैग' से मार्क कर दिया था।

क्या है रैड फ्लैग मार्क

जितेन्द्र कुमार सेठी ने बताया कि एक बार छात्रवृत्ति के लिए आवेदन करने के बाद जन आधार से डाटा फैच करने पर एवं आवेदन में किसी प्रकार का बदलाव किया जाता है तो उसे 'लाल निशान' लगा दिया जाता है।

जैसे किसी छात्र ने नाम, जन्म तिथि, आधार संख्या, जन आधार संख्या या फिर अन्य कोई बदलाव किया तो उसे संदिग्ध मान लिया गया। इस कारण सत्र 2022-23 और 2023-24 के रैड फ्लैग वाले छात्रों को छात्रवृत्ति नहीं मिली थी। इन छात्रों को ऑनलाइन ही नोटिस भी दिया गया है। एवं एसएमएस व दूरभाष के माध्यम से भी सूचना करी गई लेकिन अभी तक बड़ी संख्या में छात्र ऐसे हैं, जिन्होंने कोई रिप्लाई नहीं दिया है। ऐसे में इन छात्रों को 15 मई तक का समय दिया है।

उन्होंने बताया कि ऐसे छात्रों को जयपुर ग्रामीण के विभागीय कार्यालय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग जयपुर ग्रामीण जिला परिषद जयपुर बनी पार्क एरिया में संपर्क कर अपने दस्तावेज जमा कराने होंगे। दस्तावेजों की जांच के बाद सही पाने पर रैड फ्लैग हटाने की प्रक्रिया की जाएगी।

अन्यथा 15 मई के बाद इन आवेदनों को निरस्त कर दिया जाएगा।

शैक्षणिक सत्र 2022-23 के विद्यार्थी अपने मूल निवास जयपुर ग्रामीण क्षेत्र का होने पर एवं शैक्षणिक क्षेत्र 2023-24 एवं 2024-25 में जिन विद्यार्थियों के कॉलेज ग्रामीण क्षेत्र में है वही विभागीय कार्यालय जयपुर ग्रामीण में संपर्क करें।

नई शिक्षा नीति पर कार्यशाला आयोजित

जयपुर,(रॉयल पत्रिका)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने शनिवार को महाराष्ट्र के जालना जिले में जन जागृति संस्थान एवं विद्या भारती द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति की क्रियान्वयन से संबंधित कार्यशाला में भाग लिया।

इस दौरान उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति को प्रभावी रूप में लागू करने के लिए शिक्षक और शिक्षण संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने नई शिक्षा नीति के अंतर्गत भारतीय ज्ञान परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि प्राचीन काल से ही विज्ञान, कला, साहित्य और सांस्कृतिक क्षेत्र में भारत अत्यधिक संपन्न रहा है। उन्होंने भारतीय ज्ञान को नष्ट करने के लिए नालंदा विश्वविद्यालय में बख्तियार खिलजी द्वारा लगाई गई आग का उल्लेख करते हुए कहा कि विदेशी आक्रांताओं द्वारा भारतीय ज्ञान को नष्ट करने के निरंतर प्रयास होते रहे हैं। पर विचारों को नष्ट नहीं किया जा सकता।

उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति विकसित भारत के साथ भारत को फिर से विश्व गुरु बनाने के लिए महत्वपूर्ण है।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए

टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912

कचरा गाड़ी के लिए

ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420

पुलिस की मदद के लिए

साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए

जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400

मेडिकल इमरजेंसी के लिए

एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771

घायल पशुओं के लिए

नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

स्वस्थ बच्चा, स्वस्थ देश – गीतांजली की अनूठी पहल में जुड़े 3 ओर स्कूल

उदयपुर, (रॉयल पत्रिका)। गीतांजली हॉस्पिटल, उदयपुर द्वारा "स्वस्थ बच्चा, स्वस्थ देश" अभियान के तहत शनिवार, को यश पब्लिक स्कूल, आदर्श पब्लिक स्कूल तथा एल.बी.एस. पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों के लिए गीतांजली हॉस्पिटल के बाल रोग, नेत्र एवं जीडीआरआई के दंत विभाग द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण एवं स्वास्थ्य जागरूकता सत्र का आयोजन गीतांजली हॉस्पिटल परिसर में किया गया।

इस अवसर पर. स्कूलों के प्रधानाचार्य हेमन्त लोहार, प्रकाश डांगी, श्रीमती गीरजा जाट, टीचर्स में श्रीमती लता, पंकज नागदा ,श्रीमती मीना, श्रीमती संगीता कंवर, श्रीमती खुशबू कंवर, सुरेश चंद्र कुमावत एवं सत्यनारायण जाट ने भाग लिया व भरपूर सहयोग प्रदान कया।

कार्यक्रम के दौरान माइक्रोबायोलॉजी विभाग द्वारा विद्यार्थियों को हाथों की स्वच्छता (हैंड हाइजीन) के 6 चरणों की जानकारी दी गई और उन्हें सही तरीके से हाथ धोने का अभ्यास कराया गया, जिससे बच्चों में व्यक्तिगत स्वच्छता की जागरूकता बढ़ सके।

गीतांजलि हॉस्पिटल की ओर से हेड मार्केटिंग कल्पेश चन्द रजबार द्वारा सभी अतिथियों का पारंपरिक रूप से उपरना पहनाकर स्वागत किया गया और भविष्य में भी बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति इसी तरह सक्रिय भागीदारी की अपील की गई। कार्यक्रम का संचालन पीआर हेड हरलीन गंभीर द्वारा किया गया। यह आयोजन केवल स्वास्थ्य परीक्षण तक सीमित न होकर, बच्चों को स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ। गीतांजलि हॉस्पिटल की यह मुहिम बच्चों के उज्ज्वल और स्वस्थ भविष्य की ओर एक सशक्त पहल है इस मुहिम में सभी विद्यालय बढ़चढ़कर भाग ले रहे हैं| आपको ज्ञात करा दें अभी तक सीपीएस, रोकवुड्स, डीपीएस, मिरांडा, सेंट लोरेट, डीएवी, रॉयल अकैडमी, प्रयास, एबीपीएस, सिशुभारती इत्यादि स्कूल के बच्चों का बाल रोग, नेत्र एवं दंत विभाग द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण किया जा चुका है।

डॉ. रहीम खान ने पत्रकारिता में पीएचडी पूर्ण की, अंतिम मौखिक परीक्षा सफलतापूर्वक संपन्न

-छबड़ा के डॉ. रहीम खान ने पत्रकारिता में पीएचडी कर किया क्षेत्र का नाम रोशन

शब्बीर हुसैन

छबड़ा.(रॉयल पत्रिका)। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के संस्कृति एवं मीडिया विभाग के शोधार्थी डॉ. रहीम खान ने पत्रकारिता में पीएचडी की अंतिम मौखिक परीक्षा (वाइवा) सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कर ली है। उनका शोध कार्य "अ क्रिटिकल स्टडी ऑन माइनोरिटी रिप्रेजेंटेशन इन मेनस्ट्रीम मीडिया इन इंडिया " विषय पर केंद्रित रहा, जिसका निर्देशन विभाग के प्राध्यापक डॉ. निकोलस लकड़ा ने किया। उनकी पीएचडी थीसिस का मूल्यांकन माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल के पत्रकारिता विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. पवित्रा श्रीवास्तव ने किया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शोध निदेशक प्रो. डॉ. भूबन सी. महापात्रा, डीन एवं विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. अमिताभ श्रीवास्तव, प्रो. डॉ. एस. एन. आंबेडकर, डॉ. डी. पी. नेगी, एलएनसीटी विश्वविद्यालय भोपाल की विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. अनु श्रीवास्तव, डॉ. निकोलस लकड़ा, डॉ. नीरू प्रसाद, डॉ. प्रांता प्रतीक पटनायक, डॉ. अनूप कुमार, डॉ. सुरेश कुमार पात्रा सहित अन्य प्रोफेसर और विभिन्न विभागों के शोधार्थी उपस्थित रहे।

डॉ. रहीम खान ने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से अपने शोध कार्य का विस्तारपूर्वक प्रस्तुतीकरण किया और विशेषज्ञों द्वारा पूछे गए सभी प्रश्नों का आत्मविश्वासपूर्वक उत्तर दिया। उनकी प्रस्तुति और शोध की गहनता को देखकर सभी उपस्थितजनों ने सर्वसम्मति से उन्हें सफल घोषित किया और पीएचडी की बधाई के साथ उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

पार्षद एडवोकेट हस्सान खान ने बताया कि डॉ. रहीम खान राजस्थान के बारां जिले के छबड़ा कस्बे के निवासी हैं।

वर्तमान में वे जनमानस राजस्थान न्यूज़ पोर्टल के चीफ़ एडिटर और रेडियंस न्यूज़ इंग्लिश के ब्यूरो चीफ़ हैं। उन्होंने विभिन्न विश्वविद्यालयों में अध्यापन भी किया है। उनकी इस उपलब्धि पर छबड़ा कस्बे सहित पूरे राजस्थान से बधाइयां मिल रही हैं।

खुशवीर सिंह सहनी बने कोटा के पहले प्रोकैम (अपनी आयु श्रेणी) खत्म करने वाले पहले धावक

कोटा, (रॉयल पत्रिका)। खुशवीर सिंह सहनी ने अपनी आयु श्रेणी (35-39) में इसे खत्म किया, उन्होंने यह खिताब वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन 21 किमी, टाटा स्टील वर्ल्ड 25 किमी, मुंबई मैराथन 42 किमी और अंत में टीसीएस वर्ल्ड 10 किमी बेंगलुरु में खत्म करके प्राप्त किया। प्रोकैम स्लैम भारत में एक प्रतिष्ठित दौड़ चुनौती है, जिसमें चार प्रमुख प्रोकैम इंटरनेशनल दौड़ों को निर्दिष्ट समय सीमा के भीतर लगातार पूरा करना शामिल है। धावकों को बिना किसी ब्रेक के एक ही सीजन में सभी चार प्रमुख प्रोकैम दौड़ों को पूरा करना होता है, प्रत्येक दौड़ के लिए प्रत्येक दूरी के लिए एक निर्दिष्ट समय सीमा होती है। प्रोकैम स्लैम को भारत में धीरज एथलीटों के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जाता है।

प्रोकैम खत्म करने के बाद, खुशवीर ने लद्दाख मैराथन के लिए क्वालीफाई किया, जो 14 सितंबर 2025 को होने वाली है, और उन्होंने इसके लिए अभ्यास शुरू कर दिया है। यह दुनिया की सबसे ऊँची मैराथन मानी जाती है, जो 11,500 से 17,618 फीट (3,505 से 5,370 मीटर) की ऊँचाई पर आयोजित होती है। खुशवीर ने अपनी दौड़ यात्रा 2018 में शुरू की थी और अब तक गुड़गांव, दिल्ली, चंडीगढ़ और जयपुर जैसे कई शहरों में भाग लेकर 15 से अधिक हाफ मैराथन पूरी कर चुके हैं।

गुरु गोलवलकर आकांक्षी ब्लॉक विकास योजना की समीक्षा बैठक लेकर दिए आवश्यक दिशा निर्देश

नागौर, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर अरुण कुमार पुरोहित ने शुक्रवार को मेड़ता क्षेत्र का दौरा किया जहां उन्होंने पंचायत समिति सभागार में 'गुरु गोलवलकर आकांक्षी ब्लॉक विकास योजना'की समीक्षा बैठक ली। जिलें का मेड़ता ब्लॉक का इस योजना के अन्तर्गत चयन किया गया है इसके तहत

नीति आयोग के आकांक्षी जिला/ब्लॉक कार्यक्रम के फ्रेमवर्क के आधार पर राजस्थान में चिन्ह्ति ब्लॉक में तेजी से सामाजिक व आर्थिक विकास करवाने का लक्ष्य है। होने वाले विकास कार्यो का हर तीन महीने में मूल्यांकन होगा। उम्मीद है कि इससे नागरिकों के जीवन स्तर में काफी सुधार आएगा। इस योजना के तहत स्वास्थ्य व पोषण, शिक्षा, कृषि, बुनियादी ढांचा, कौशल विकास और वित्तीय समावेशन आदि मुद्दों पर जोर रहेगा।

बैठक में एसडीएम पूनम चौधरी, तहसीलदार रामसिंह, चिकित्सा विभाग, पशुपालन विभाग, कृषि विभाग सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। जिला कलक्टर पुरोहित ने सभी विभागीय अधिकारियों से योजना की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली और ज़मीनी स्तर पर योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि गोलवलकर आकांक्षी ब्लॉक योजना के तहत निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए, ताकि विकास के लाभ अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंच सकें। कलेक्टर ने विभिन्न विभागों से राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट भी प्राप्त की और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

जिला कलक्टर ने ग्राम पंचायत सोगावास में लगाई रात्रि चौपाल

जिला कलक्टर पुरोहित ने ग्राम पंचायत सोगावास में रात्रि चौपाल लगाकर आमजन की परिवेदनाओं की सुनवाई की। रात्रि चौपाल में आमजन के विभिन्न परिवादों की सुनवाई कर संबंधित अधिकारियों को आमजन के परिवादों का निस्तारण करने के निर्देश दिए।

रात्रि चौपाल के दौरान ग्रामीणों द्वारा विभिन्न जन समस्याओं से संबंधित परिवाद दिए गए। इनमें प्रमुख रूप से विद्त व्यवस्था,पेयजल आपूर्ति, मनरेगा,अतिक्रमण हटाने,रास्ता खुलाने,सामाजिक सुरक्षा पेंशन स्वीकृत कराने,सफाई व्यवस्था,खाद्य सुरक्षा योजना में नाम जुड़वाने सहित विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाने के संबंध में अन्य परिवाद दिए गए।

इस दौरान जिला कलक्टर ने मौके पर ही संबंधित विभागों के अधिकारियों को उक्त परिवादों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए।

मेड़ता उपकारागृह का किया निरीक्षण

निरीक्षण के दौरान जिला कलक्टर ने उपकारागृह में स्वच्छता, साफ-सफाई की व्यवस्थाओं के साथ-साथ जेल में निरुद्ध बंदियों को उपलब्ध करवाए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता, उनके स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधा व उनके लिए उपलब्ध आधारभूत सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

मोहम्मद अतीक पर जानलेवा हमला

-जबरन मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी के सिटी ऑफिस में घुसकर किया हमला

जोधपुर, (रॉयल पत्रिका)। कमला नेहरू नगर, पाल लिंक रोड स्थित मौलाना आजाद यूनिवर्सिटी के अधीन संचालित सिटी ऑफिस परिसर में शुक्रवार दोपहर, यूनिवर्सिटी के चेयरपर्सन मोहम्मद अतीक पर जानलेवा हमला किया गया।

यूनिवर्सिटी के चेयरपर्सन मोहम्मद अतीक ने बताया कि ये हमला नौशाद खान, एडवोकेट रिडमल खान मेहर, इमरोज रफीक व अन्य ने जबरदस्ती घुसकर, चपरासी व कर्मचारी से धक्का मुक्की, गाली गलौज व मारपीट की।

चेयरपर्सन मोहम्मद अतीक जब शरिया बैंक के ऑफिस से यूनिवर्सिटी के सिटी ऑफिस पहुंचे तो उन पर नौशाद ने जानलेवा हमला किया, धक्का मुक्की की और यूनिवर्सिटी के कर्मचारी अब्दुल्लाह खालिद मोदी व अब्दुल सत्तार खां ने बीच बचाव किया और कर्मचारी इमरोज रफीक को सिटी ऑफिस से निकाला तो उसने जान से मारने और गला काटने की धमकी दी।

उपरोक्त मामले की एफआईआर देवनगर थाने में दर्ज करवा दी गई है। इस घटना के विरोध में मुस्लिम समाज की कई बिरादरियों के गणमान्य लोग, मारवाड़ मुस्लिम एज्यूकेशनल एंड वेलफेयर सोसायटी और मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी, जोधपुर से जुड़े कई लोगों ने देव नगर थाने पहुंचकर इस घटना पर विरोध जताया तथा दोषी व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर, उनको गिरफ्तार करने की मांग की।

जिस पर देवनगर थानाधिकारी ने प्रार्थी मोहम्मद अतीक की रिपोर्ट दर्ज कर उक्त घटना के दोषी व्यक्तियों के खिलाफ कार्यवाही प्रारंभ की।

सृजन की सुरक्षा ईको-फेमिनिज्म के लिए योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु किया बैठक का आयोजन

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार पर्यावरण को संरक्षित करने व पोषित किए जाने की दिशा मे कार्य करते हुए महिलाओं को सशक्त बनाने, बालिकाओं को आगे बढाने व उनके प्रति होने वाले अपराधों की रोकथाम हेतु रालसा वन व बालिका वर्ष 2025, सृजन की सुरक्षा ईको-फेमिनिज्म के लिए योजना का सफल क्रियान्वयन हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव समीक्षा गौतम द्वारा शनिवार को ए.डी.आर. सेन्टर जिला न्यायालय परिसर सवाई माधोपुर में बैठक का आयोजन किया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव समीक्षा गौतम ने बैठक में उपस्थित अधिकारीगण को योजना के उद्देश्य कन्या भ्रूण हत्या की रोकथाम और बालिका शिक्षा को बढावा देना, पोक्सो अपराधो की रोकथाम, पर्यावरण संरक्षण को बढावा देना, विधिक जागरूकता के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाना, जमीनी स्तर पर योजनाओं के क्रियान्वयन को मजबूत करना, न्याय तक पहुच सुनिश्चित करने के संबंध में निर्देश प्रदान किए।

साथ ही बताया कि रालसा वन व बालिका वर्ष 2025, सृजन की सुरक्षा ईको-फेमिनिज्म के लिए योजना के तहत जिलें में एक ग्राम पंचायत का चयन किया जाएगा, जिसमें यह योजना पायलट प्रोजेक्ट के रूप में कार्य करेगी। चयनित ग्राम पंचायत में बालिकाओं के लिए शिक्षा का महत्व, पर्यावरण संरक्षण और वृक्षारोपण के लाभ, महिलाओं व बच्चों के विधिक अधिकारों के संबंध मे जागरूकता और शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जावेगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, ग्राम पंचायत एवं वन विभाग के सहयोग से प्रत्येक बालिका के जन्म पर न्यूनतम 11 पौधे लगाने का कार्यक्रम शुरू करेगें, जिसमें नवजात बालिका के परिवार एवं स्थानीय महिला समुहो के माध्यम से पौधो की प्रारंभिक देखभाल की जावेगी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर जन्म लेने वाली प्रत्येक बालिका को एक विशिष्ट पहचान पत्र जारी करेगा। यह कार्ड बालिका को पर्यावरण संरक्षण जोडते हुए बालिका को विधिक सेवा योजनाओं एवं अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं-चिकित्सा व स्वास्थ्य सुविधाएं, शैक्षणिक अवसर व सरकारी योजनाओ का लाभ, सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम विधिक सलाह व सहायता तक पहुच को सुगम बनाएगा।

समीक्षा गौतम सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर ने चयनित ग्राम पंचायत में जन्म लेने वाली बालिका की सूचना बाल विकास विभाग व चिकित्सा विभाग द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को देने, ग्राम पंचायत में जागरूकता हेतु योजना में वर्णित विषयों से संबंधित सामुदायिक बैठक, नुक्कड-नाटक का आयोजन बाल विकास विभाग द्वारा करने, कार्यक्रम के अवसर पर एवं भविष्य में लगाए जाने वाले पौधो को वन विभाग द्वारा उपलब्ध कराने के संबंध में निर्देश प्रदान किए।

इस अवसर पर सहायक उपवन संरक्षक सामाजिक वानिकी मनीषा शर्मा, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल जैमिनी, उपनिदेशक समेकित बाल विकास सेवाएं प्रियंका शर्मा, एवं सहायक विकास अधिकारी पंचायत समिति सवाई माधोपुर प्रभूलाल मीना आदि उपस्थित रहें।

सूचना केंद्र में शाह जल मंदिर व जलकूप का लोकार्पण

झुंझुनूं, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय के सूचना केंद्र परिसर में शुक्रवार को मदनलाल शाह एज्युकेशन सोसायटी की ओर से स्थापित शाह जल मंदिर और जलकूप का लोकार्पण जिला कलेक्टर रामावतार मीणा द्वारा किया गया। इस मौके पर सोसायटी के कोलकाता प्रवासी ट्रस्टी राकेश शाह, सोसायटी सचिव राजकुमार मोरवाल, पीआरओ हिमांशु सिंह तथा जेबी शाह गर्ल्स कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. योगिता शर्मा आदि मौजूद थे। अतिथियों ने नारियल फोड़कर और नामकरण पट्टिका का अनावरण कर जल मंदिर का लोकार्पण किया। उद्योगपति राकेश शाह ने बताया कि उनका जन्म झुंझुनूं में हुआ है। उनके दादा एडवोकेट मदनलाल शाह ने झुंझुनूं के इसी कोर्ट में वकालत की। आज दादा स्व. मदनलाल शाह, दादी स्व. मालतीदेवी शाह और पिता स्व. घनश्यामदास शाह की प्रेरणा से उन्हें एक और मौका झुंझुनूं से जुड़ने का मौका मिला है। जिसके लिए वे सभी को शुक्रिया अदा करते हैं। उन्होंने कहा कि झुंझुनूं में पानी और नारी शिक्षा की महत्ती आवश्यकता है। हमारा परिवार और संस्था भी इसी दिशा में लगातार काम कर रही है। हम 42 सालों से गर्ल्स कॉलेज का संचालन कर नारी शिक्षा के संकल्प को पूरा कर रहे है। तो वहीं जलकूप और जल मंदिर का निर्माण करवाकर पीने के पानी सभी को मुहैया करवाने की दिशा में भी कदम बढाया है।

इस जल मंदिर के निर्माण से ना केवल सूचना केंद्र, बल्कि कलेक्ट्रेट और न्यायालयों में आने वाले लोगों को इस भीषण गर्मी में पीने के लिए ठंडा पानी हर वक्त मिलेगा। इस मौके पर जिला कलेक्टर रामावतार मीणा ने भी प्रवासी राकेश शाह द्वारा करवाए गए कार्य को लेकर आभार जताया और कहा कि झुंझुनूं में प्रवासियों के सहयोग से काफी काम हो रहे है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने ली समीक्षा बैठक

नागौर, (रॉयल पत्रिका)। जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जुगल किशोर सैनी ने जिले के समस्त खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारियों व राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों के प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जुगल किशोर सैनी ने वर्तमान में चल रही हीट वैव के प्रबंधन को लेकर राजकीय चिकित्सा संस्थानों में किए गए इंतजामों की रिपोर्ट संबंधित सीएचसी प्रभारी से ली। उन्होंने निर्देष दिए कि वर्तमान में आमजन को हीट वैव से बचने के उपायों को लेकर जागरूक किया जाए। साथ ही सरकारी चिकित्सा संस्थानों में भर्ती मरीजों पर हीट वैव का प्रभाव नहीं पड़े, इसके पूरे इंतजाम करने के निर्देश दिए।

मिजल्स रूबेला टीकाकरण की समीक्षा करते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सैनी ने इस कार्य को अभियान चलाकर लक्ष्य हासिल करने के निर्देश दिए। साथ ही टीकाकरण से ड्रॉप आउट बच्चों का सर्वे कर उनकी एंट्री यूविन एप पर करने, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के सूचकांक को अच्छी स्थिति में रखने के लिए एएनसी रजिस्ट्रेशन से लेकर टीकाकरण और संस्थागत प्रसव के लक्ष्य शत-प्रतिशत हासिल करने की ओर काम करने के निर्देश मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने दिए। जिला औषधी भंडार प्रभारी डॉ. राजेष पाराषर ने ई औषधि सॉफ्टवेयर पर दवाईयों पर संबंधित एंट्री समय पर करते हुए अधूरे कार्य को पूरा करने के निर्देश दिए। एनएचएम के जिला कार्यक्रम प्रबंधक राजीव सोनी ने आयुष्मान एम्बलेंस सेवा, क्वालिटी एष्योरेंस, जननी सुरक्षा योजना तथा लाडो प्रोत्साहन योजना से जुड़ी प्रगति रिपोर्ट पर खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी से संवाद किया। वहीं एपिडेमोलॉजिस्ट साकिर खान ने बॉयोमेडिकल वेस्ट निस्तारण एवं आईएचआईपी सॉफ्टवेयर पर डाटा इंद्राज करने को लेकर समस्त बीसीएमओ से संवाद किया। बैठक में वरिष्ठ लिपिक ईश्वर सिंह शेखावत भी मौजूद रहे।

अंसारी मोहल्ले में पेयजल संकट गहराया, विभागों की लापरवाही से जनता त्रस्त

संवाददाता - शादाब अली

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। शहर के अंसारी मौहल्ले में पिछले करीब 15 दिनों से पेयजल आपूर्ति पूरी तरह से ठप पड़ी है, जिससे स्थानीय नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जल संकट के चलते महिलाओं, बच्चों व बुजुर्गों को घण्टों लाइन में लगकर ठेले, साइकिल व मोटरसाइकिल से दूर-दराज के इलाकों से पानी लाना पड़ रहा है।

पंप ड्राइवर रईस अंसारी ने बताया कि विगत दो सप्ताह से बार-बार हो रही विद्त ट्रिपिंग के कारण ट्यूबवेल की मोटर पूरी क्षमता से कार्य नहीं कर पा रही है, जिससे पानी की आपूर्ति बुरी तरह बाधित हो गई है। इस समस्या की जानकारी जलदाय विभाग के उच्चाधिकारियों को समय रहते दे दी गई थी, फिर भी ना तो जलदाय विभाग और ना ही विद्त विभाग के अधिकारियों ने अब तक कोई ठोस कार्रवाई की है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि विभागों की यह उदासीनता न केवल प्रशासनिक छवि को नुकसान पहुंचा रही है, बल्कि 'हर घर नल से जल' जैसी महत्वाकांक्षी सरकारी योजना की साख पर भी प्रश्नचिन्ह् खड़ा कर रही है।

जनता ने प्रशासन से गुहार लगाई है कि इस गंभीर समस्या का अविलंब समाधान किया जाए, ताकि नागरिकों को राहत मिल सके और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा के लिए उन्हें यूँ दर-दर न भटकना पड़े।

विभिन्न छात्रवृति योजनाओं की अंतिम तिथि में बढ़ोतरी

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग ने छात्र-छात्राओं की सुविधा और मांग के आधार पर विभाग द्वारा संचालित विभिन्न छात्रवृति योजनाओं की अंतिम तिथि में बढ़ोतरी की है।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उप निदेशक मीना आर्य ने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2024-25 में राजस्थान राज्य के मूल निवासियों के लिए विभिन्न छात्रवृति योजनाओं में अनुसूचित जाति/अनु. जनजाति/अति पिछड़ा वर्ग/अन्य पिछडा वर्ग/आर्थिक पिछड़ा वर्ग/विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्धघुमंतु समुदाय/मिरासी एवं भिश्ती समुदाय तथा मुख्यमंत्री सर्वजन उच्च शिक्षा उत्तर मैट्रिक छात्रवृति योजनाओं में राज्य की राजकीय/निजी मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थाओं एवं राज्य के बाहर संचालित राष्ट्रीय/राजकीय स्तर की शिक्षण संस्थाओं के पाठ्यक्रमों में प्रवेशित/अध्ययनरत (कक्षा 11 व 12 के अतिरिक्त) शिक्षण संस्थाओं के विद्यार्थियों के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाई है।

उन्होंने बताया कि शिक्षण संस्थाओं के छात्रवृति पोर्टल पर पंजीयन/नवीनीकरण, कोर्स मैपिंग, मान्यता एवं पाठयक्रमवार फीस स्ट्रक्चर आदि को अद्यतन (अपडेट) करने के लिए अन्तिम तिथि 28 मई, 2025 निधारित की गई है। साथ ही उत्तर मैट्रिक छात्रवृति के लिए विद्यार्थियों द्वारा पेपरलेस आनलाइन आवेदन पत्र पंजीकरण कर आनलाइन आवेदन पत्र भरने के लिए अंतिम तिथि/पोर्टल बन्द करने की तिथि को बढ़ाकर 31 मई, 2025 किया गया है। शेष शर्तें यथावत रहेंगी।

उन्होंने बताया कि अभ्यर्थी विभाग के वेब पोर्टल www.sjmsnew.rajasthan.gov.in/ scholarship अथवा एसएसओ पोर्टल पर स्कॉलरशिप एसजेई एप अथवा मोबाइल ऐप एसजेईडी एप्लीकेशन के माध्यम से आनलाइन पेपरलेस छात्रवृति आवेदन कर सकते हैं।

80 शहरों में एक साथ हुआ फ्री प्री-जीट मेगा मॉक टेस्ट

- 8000 से अधिक छात्रों ने लिया हिस्सा

मुंबई, एजेंसी। 4 मई को आयोजित होने जा रही जीट-जी 2025 परीक्षा से पहले, मोशन एजुकेशन द्वारा देशभर के 80 शहरों में एक साथ मेगा मॉक टेस्ट आयोजित किया गया। इस अभ्यास परीक्षा में करीब 8000 जीट अभ्यर्थियों ने भाग लिया। कोटा में यह मॉक टेस्ट दोपहर 2 बजे से 5 बजे तक आयोजित किया गया, जो कि असली परीक्षा के समयानुसार ही था। मोशन एजुकेशन के संस्थापक और सीईओ नितिन विजय स्वयं परीक्षा केंद्रों पर पहुंचे और छात्रों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने बताया, यह मॉक टेस्ट हमारे अनुभवी फैकल्टी द्वारा ह्जीट-जी 2025 के नए पैटर्न और संभावित कठिनाई स्तर को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। मोशन एजुकेशन में जॉइंट डायरेक्टर और जीट डिवीजन हेड अमित वर्मा ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा, अब नए टॉपिक शुरू करने के बजाय मॉक टेस्ट को समय सीमा में हल करने का अभ्यास करें। तीन घंटे में 180 प्रश्न हल करने की आदत डालें और हर टेस्ट के बाद अपनी गलतियों का विश्लेषण करें। यह देखें कि गलती की वजह कांसेप्चुअल गैप, समझ की कमी, या समय प्रबंधन की समस्या है। उसी के अनुसार तैयारी में सुधार करें। सबसे जरूरी बात, तनावमुक्त रहें और अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कोटा की एक छात्रा शुभ्रा सिंह ने मॉक टेस्ट के अनुभव को साझा करते हुए कहा, यह टेस्ट बिल्कुल असली जीट परीक्षा जैसा माहौल लेकर आया। इससे हमें अपनी तैयारी का मूल्यांकन करने और समय प्रबंधन को बेहतर करने का मौका मिला। एक और प्रतिभागी राजीव कुमार ने कहा, इस तरह के फुल-स्केल मॉक टेस्ट से हमें असली परीक्षा का दबाव समझने में मदद मिली और उसे संभालने की रणनीति भी तय हो पाई। यह हमारी तैयारी को शार्प करने के लिए बेहद उपयोगी रहा।

वीफिन सॉल्यूशंस का मुनाफा एफवाय25 में 81 प्रतिशत उछला

मुंबई, एजेंसी। वीफिन सॉल्यूशंस लिमिटेड (जो दुनिया का सबसे बड़ा वर्किंग कैपिटल इकोसिस्टम बना रहा है, ने एच2 और वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अपने ऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की — यह कंपनी की उस यात्रा में एक अहम पाडाव है, जिसमें वह वैश्विक वित्त को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने के मिशन पर अग्रसर है।

का वितरण इस प्रकार है

वीफिन सॉल्यूशन्स लिमिटेड जो भारत में स्थित पैरेंट कंपनी है, ने एफवाय25 में 22.94 करोड़ का डोमेस्टिक रेवेन्यू और 14.37 करोड़ का निर्यात राजस्व उत्पन्न किया। इसमें से दुबई और बांगलादेश से निर्यात राजस्व 3.26 करोड़ और 2.74 करोड़ था, जो समेकित राजस्व का 54 प्रतिशत योगदान करता है।

ज़ निटयो ने 32.50 करोड़ का योगदान किया, जो समेकित राजस्व का लगभग 40 प्रतिशत है। ज़ अन्य सहायक कंपनियों ने शेष राजस्व का योगदान किया

विफिन सॉल्यूशन्स लिमिटेड के होल टाइम डायरेक्टर, श्री गौतम उदानी ने कहा, अगले 24 महीनों में, हम अपने मुख्य उत्पादों को नए बाजारों में विस्तार देंगे, अपनी कॉर्पोरेट संरचना को सरल बनाएंगे और समूह में उच्चतम स्तर की शासन व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता अडिग है, और हम एक परिवर्तनकारी यात्रा से गुजरते हुए अब एक एससीएफ इकोसिस्टम बनाने से लेकर अब दुनिया का सबसे बड़ा वर्किंग कैपिटल इकोसिस्टम बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

एसएसआई मंत्रा के निर्माता एसएस इनोवेशन्स इंटरनेशनल

इंक ने एनएएसडीएक्यू में किया ऐतिहासिक प्रवेश

- एसएस इनोवेशन्स इंटरनेशनल का राजस्व 2023 की तुलना में 2024 में 3.5 गुना बढ़कर 20.6 मिलियन डॉलर पर पहुंचा - ग्रॉस मार्जिन में 40.9 फीसदी की बढ़ोतरी हुई
- एसएस इनोवेशन्स इंटरनेशनल ने यूरोप एवं यूएस में प्रवेश के साथ विश्वस्तरीय विस्तार की योजना बनाई
- एसएसआई मंत्रा की मदद से 3700 सर्जरियां की जा चुकी हैं, जिसमें 200 से अधिक रोबोटिक कार्डियक सर्जरियां शामिल हैं- इन प्रक्रियाओं में सिस्टम से जुड़ी शून्य जटिलताएं दर्ज की गई हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्वस्तरीय मंच पर भारतीय मेडिकल टेक्नोलॉजी में बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए, स्वदेशी एसएसआई मंत्रा सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम के निर्माता एसएस इनोवेशन्स इंटरनेशनल को एनएएसडीएक्यू पर सूचीबद्ध किया गया है। उम्मीद की जा रही है कि 25 अप्रैल, 2025 से ट्रेडिंग शुरू हो जाएगी, कंपनी के शेयर्स को टिकर सिंबल 'एसएसआईआई' के तहत सूचीबद्ध किया जाएगा।

एसएस इनोवेशन्स इंटरनेशनल ने 31 दिसम्बर 2024 को समाप्त होने वाले वर्ष में प्रभावशाली आर्थिक विकास दर्ज किया, इस अवधि के दौरान कंपनी का राजस्व जो पिछले साल 5.9 मिलियन डॉलर था, वह 3.5 गुना बढ़ोतरी के साथ 20.6 मिलियन डॉलर के आंकड़े पर पहुंच गया। इसी तरह ग्रॉस मार्जिन भी 2023 में 12.3 फीसदी था जो बढ़कर 40.9 फीसदी पर पहुंच गया। ये आंकड़े कंपनी के मजबूत वित्तीय प्रदर्शन और मार्केट में बढ़ती मौजूदगी को दर्शाते हैं।

इसके अलावा एसएस इनावेवेशन्स इंटरनेशनल ने अपने चिकित्सकीय रूप से मान्य तथा पेटेंट प्राप्त एसएसआई मंत्रा सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम के साथ उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है, जिसे देश भर के 75 स्थानों पर स्थित 80 अस्पतालों में इंस्टॉल किया जा चुका है। साथ ही कंपनी नेपाल, इक्वाडोर, ग्वाटेमाला, फिलिपीन्स, इंडोनेशिया, श्रीलंका, युक्रेन सहित कई देशों में अपने फुटप्रिन्ट का विस्तार कर रही है। एसएसआई मंत्रा सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम, किफ़ायती समाधान उपलब्ध कराकर आधुनिक रोबोटिक सर्जरी को बड़ी संख्या में मरीज़ों की पहुंच में लाया है। आने वाले समय में यूरोप एवं संयुक्त राज्यों में विस्तार की योजनाओं के साथ एसएसआईआई ने अपने आप को मेडिकल रोबोटिक्स के क्षेत्र में ग्लोबल लीडर के रूप में स्थापित किया है तथा दुनिया भर में आधुनिक हेल्थकयर टेक्नोलॉजी में भारत की भूमिका को और मजबूत बना दिया है।

न्युवोको विस्टास ने चौथी तिमाही और वित्तवर्ष 25 के अपने वित्तीय परिणामों की घोषणा की

- चौथी तिमाही वित्तवर्ष25 में ऐतिहासिक तिमाही में उच्चतम कंसोलिडेटेड एबिटिडा रु. 556 करोड़ प्राप्त किया
- सालाना आधार पर 390 करोड़ रुपये से 3,640 करोड़ रुपये तक शुद्ध ऋण में कमी के साथ डीलीवरेजिंग पहल जारी रही

वित्तवर्ष 25 के लिए सीमेंट की मात्रा 19.4 एमएमटी पर बंद हुई

मुंबई, एजेंसी। युवोको विस्टास कॉर्प. लिमिटेड, भारत में एक प्रमुख बिल्डिंग मैटीरियल्स कंपनी, ने 31 मार्च, 2025 को समाप्त तिमाही के लिए अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की। 25 एमएमटीपीए की ज्वाइंट स्थापित क्षमता के साथ, न्युवोको विस्टास कॉर्प. लिमिटेड, भारत में 5वां सबसे बड़ा सीमेंट ग्रुप है और पूर्वी भारत में अग्रणी सीमेंट कंपनियों में से एक है। एनसीएलटी द्वारा वडराज सीमेंट लिमिटेड (वीसीएल) के अधिग्रहण के लिए सॉल्यूशन प्लान को मंजूरी दिए जाने के बाद कंपनी वित्त वर्ष 27 की तीसरी तिमाही तक 31 एमएमटीपीए सीमेंट क्षमता हासिल करने की राह पर है।

कंपनी ने वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही में 5.7 एमएमटी की कंसोलिडेटेड सीमेंट बिक्री मात्रा हासिल की, जिसमें पूरे साल की मात्रा 19.4 एमएमटी तक पहुंच गई। ऑपरेशंस से कंसोलिडेटेड राजस्व चौथी तिमाही में 4 प्रतिशत सालाना आधार पर बढ़कर 3,042 करोड़ रुपये हो गया, जिससे वित्त वर्ष 25 का राजस्व 10,357 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही में 556 करोड़ रुपये का अपना अब तक का सबसे अधिक तिमाही कंसोलिडेटेड एबिटिडा भी दर्ज किया, जिसमें पूरे साल का एबिटिडा 1,391 करोड़ रुपये रहा। इसके अलावा, कंपनी अपने डेलेवरेजिंग एजेंडे के प्रति समर्पित रही और अपने नेट डेट को सालाना आधार पर 390 करोड़ रुपये घटाकर 3,640 करोड़ रुपये कर दिया।

वित्त वर्ष 25 सीमेंट इंडस्ट्री के लिए मजबूती और सुधार का वर्ष रहा, जिसमें पहली छमाही के सुस्त रहने के बाद मांग में लगातार तेजी आई। न्युवोको ने इस उछाल का लाभ लक्षित पहलों के साथ उठाया, जिससे विशेष रूप से दूसरी छमाही में वॉल्यूम में वृद्धि हुई। बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर और आवास में केंद्र और राज्य सरकार के पूंजीगत खर्च में वृद्धि से समर्थित, सीमेंट की मांग लगातार दो तिमाहियों में मजबूत रही। पूरे वर्ष के दौरान, कंपनी ने ऑपरेशनल एक्सीलेंस पर अपना पूरा ध्यान केंद्रित रखा। यह पिछली 14 तिमाहियों में सबसे कम मिक्स फ्यूल लागत को रु. 1.43 प्रति मैकल पर प्राप्त करने में झलकता है, जिससे न्युवोको की स्थिति इंडस्ट्री में सबसे कम बिजली और फ्यूल लागत वाली कंपनियों में से एक बन गई है। कंपनी ने अपने ब्रांड की उपस्थिति को बढ़ाने के लिए कई नई मार्केटिंग प्रयास भी शुरू किए हैं। इनमें 'महाकुंभ 2025 में सारथी कार्यक्रम' शामिल था, जिसने 25,000 से अधिक विजिटर्स को एक शानदार अनुभव प्रदान किया।

सोना हुआ और सस्ता

78000 तक आ सकता है 10 ग्राम गोल्ड का भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। शादियों के सीजन के बीच एक लाख से ऊपर पहुंचने के बाद सोने-चांदी के भाव औंधेमुंह गिर रहे हैं। फरवरी, मार्च और अप्रैल में रिकॉर्डतोड़ तेजी के बाद सोना मई की शुरुआत गिरावट के साथ कर रहा है। 24 कैरेट सोना आज 2 मई को 968 रुपये प्रति 10 ग्राम सस्ता हो गया है। आज सर्राफा बाजारों 24 कैरेट गोल्ड 93393 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट से खुला। जबकि, चांदी 86 रुपये महंगी होकर 94200 रुपये प्रति किलो के भाव से खुली। जीएसटी समेत सोने का भाव अब 96194 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया है। जबकि, चांदी की कीमत 97026 रुपये प्रति किलो रह गई है।

बता दें सर्राफा बाजार के रेट इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन ने जारी किए हैं, जिनमें जीएसटी नहीं लगा है। हो सकता है आपके शहर में इससे 1000 से 2000 रुपये का अंतर आ रहा हो। आईबीजेए दिन में दो बार रेट जारी करता है। एक बार दोपहर 12 बजे के करीब दूसरा 5 बजे के आसपास।

18 से 22 कैरेट गोल्ड के लेटेस्ट रेट

आईबीजेए रेट्स के मुताबिक 23 कैरेट गोल्ड भी आज 964 रुपये सस्ता होकर 93019 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव से खुला। वहीं, 22 कैरेट गोल्ड का औसत हाजिर भाव दोपहर सवा 12 बजे के करीब 887 रुपये टूटकर 85548 रुपये पर खुला। 18 कैरेट गोल्ड का

भाव भी 726 रुपये सस्ता होकर 70045 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। जबकि, 14 कैरेट गोल्ड की कीमत 566 रुपये गिरकर 54635 रुपये पर आ गई है।

क्यों गिरे सोने के भाव

रॉयटर्स के मुताबिक चीन ने कुछ अमेरिकी सामानों पर लगे अपने टैरिफ हटाने पर विचार शुरू किया है। इससे सोने की सुरक्षित निवेश वाली छवि को झटका लगा है। **क्या सोने के भाव गिरने की है कोई उम्मीद-** सोना और गिरेगा इस सवाल पर केडिया कमोडिटिज के प्रेसीडेंट अजय केडिया ने हिन्दुस्तान को बताया, सोना टाइम करेक्शन लेगा। अगले अक्षय तृतीया तक सोना अगर गिरा तो 78000 से 80000 तक आएगा।

लैवेटरी केयर के बादशाह औरबॉलीवुड के किंग ने मिलाया हाथ

हार्पिक ब्रांड एंबेसडर के रूप में शाहरुख खान का स्वागत करता है

टॉयलेट की सफाई में ब्रांड की श्रेष्ठता को दर्शाने के लिए हार्पिक ने शाहरुख के साथ अपनी नई मुहिम हार्पिक है ना की शुरुआत की

यह मुहिम हर घर में टॉयलेट की अच्छी सफाई का वादा करती है

मुंबई, एजेंसी। भारत के नंबर 1 टॉयलेटऔर बाथरूम क्लीनरतथा100 मिलियन से अधिक घरों का घर की सफाई का भरोसेमंद साथीहार्पिक, बॉलीवुड के किंगशाहरुख खान काअपने ब्रांड एंबेसडर के रूप में स्वागत करके अपनी शानदार विरासत की यात्रा को आगे ले जाने की गर्व के साथ घोषणा करता है। यह बेमिसालपार्टनरशिपहार्पिक की बेहतरीन सफाईट्ट की शानदार विरासत औरशाहरुख खान के सम्मोहक व्यक्तित्व, साझा मूल्यों और भारतीय परिवारों के बीच उनकी लोकप्रियता को एक साथ लाती है।

हार्पिक ने एक सदी से भी अधिक समय से, पूरी दुनिया में सफाईऔर स्वच्छता केमानकों को फिर से परिभाषित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज, भारत के हर3 में से 1 घर हार्पिक का इस्तेमाल करता है, हार्पिक ने शहरी और ग्रामीण भारत में परिवारों को स्वस्थबनाने में भी अहम भूमिका निभाई है क्योंकियहसफाई काएक शक्तिशाली, असरदारऔर भरोसेमंदसमाधान प्रदान करता है। शाहरुख खान के साथ हार्पिक की पार्टनरशिपहर भारतीय घर में गरिमा,

केयरऔर बेहतर स्वच्छता को प्रेरित करने की इसकी यात्रा में एक नया मील का पत्थर है।

शाहरुख खान ने ब्रांड के साथ अपने इसजुड़ाव परकहा, स्वच्छता की शुरुआत छोटे लेकिन असरदारकार्यों से होती है। हार्पिक के साथ कामकरने पर मैं खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। यह एक ऐसा ब्रांड है,जोदशकों से भारतीय घरों में स्वच्छता और गरिमा को बढ़ावा दे रहा है। मैं हमरीगुमनाम हीरोज- गृहणियों - की बहुत इज्जत करता हूं, जिनकी अथक मेहनत से ही परिवारों केस्वास्थ्य और खुशी मिलतीहै। वे सर्वश्रेष्ठ कीहकदार हैं। हार्पिक है नाके साथ, हर घर बेहतर स्वच्छता, सफाई और ताजगी पर भरोसा कर सकता है - जो सिर्फ पांच मिनट में मिल जाती है। जीवन के महत्वपूर्ण क्षणों में जिस तरह का आश्वासन चाहिए, उसी तरह हार्पिक है ना हर घर में एक भरोसेमंद साथी के रूप में खड़ा रहता है।

इस शानदार पार्टनरशिप का जश्न मनाने के लिए, हार्पिक शाहरुख खान के साथ एक नया टीवीसी, हार्पिक है ना रिलीज करने जा रहा है, जो हार्पिक टॉयलेट क्लीनर की श्रेष्ठता को दिखाने के साथ-साथ10 गुना बेहतर सफाई, 5 मिनट में कीटाणुओं से मुक्तिऔर लंबे समय तक चलने वाली खुशबू प्रदान करता है।

विंज़ो ने वित्तीय वर्ष 24 में रु 1055 करोड़ का राजस्व और रु 315 करोड़ का मुनाफ़ा दर्ज किया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े इंटरैक्टिव एंटरटेनमेन्ट प्लेटफॉर्म विंज़ो ने 31 मार्च 2024 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष के लिए अपने लेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों की घोषणा की है, कंपनी ने कई विनियामक बदलावों के बावजूद इस अवधि के दौरान रिकॉर्ड तोड़ राजस्व और मुनाफ़ा दर्ज किया है। उल्लेखनीय है कि वित्तीय वर्ष 24 में ऑनलाईन गेमिंग पर जीएसटी में 400 फीसदी बढ़ोतरी का प्रभाव केवल छह महीनों के लिए रहा, क्योंकि यह दर 1 अक्टूबर 2023 से लागू हुई थी। इस संशोधित कराधान का पूरे वर्ष पर प्रभाव वित्तीय वर्ष 25 में देखा जाएगा।

विंज़ो के सह-संस्थापकों पावन नंदा और सौम्या सिंह राठौड़ की ओर से संयुक्त वक्तव्य- ''विंज़ो की पर्सनलाइज़्ड टेक्नोलॉजी 250 मिलियन से अधिक भारतीयों को सबसे किफ़ायती मनोरंजन उपलब्ध कराती है, साथ ही हज़ारों क्रिएटर्स एवं डेवलपर्स को सशक्त बनाती है। हम न सिर्फ एक गेमिंग कंपनी बना रहे हैं बल्कि भारतीय इनोवेशन पर आधारित विश्वस्तरीय इकोसिस्टम को भी आयाम दे रहे हैं। हमारी महत्वाकांक्षा स्पष्ट है : भारत से ऐसे टेक पावरहाउस का निर्माण करना जो अपने इनोवेशन्स एवं पैमाने के साथ दुनिया को प्रेरित कर सके।''

सैमसंग की 'सॉल्व फॉर टूमॉरो 2025' पहल से युवाओं को नवाचार का मौका, 1 करोड़ रूपए का अनुदान

गुरुग्राम, एजेंसी। भारत के अग्रणी कंज़्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने अपनी प्रमुख कॉर्पोरेट सामाजिक ज़िम्मेदारी (सीएसआर) पहल 'सॉल्व फॉर टूमॉरो' के चौथे संस्करण की शुरुआत कर दी है। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य देशभर के युवाओं को प्रौद्योगिकी के ज़रिए सामाजिक चुनौतियों का हल खोजने के लिए प्रेरित करना है।

14 से 22 वर्ष के छात्रों के लिए खुली इस प्रतियोगिता में भाग लेने की अंतिम तिथि 30 जून 2025 रखी गई है। चुनी गई टॉप चार टीमों को उनके नवाचार को आगे बढ़ाने के लिए आईआईटी दिल्ली में इंक्यूबेशन सपोर्ट के साथ कुल एक करोड़ रुपये का अनुदान दिया जाएगा। इसके अलावा, टॉप 40 टीमों को 8 लाख और टॉप 20 टीमों को 20 लाख रुपये की पुरस्कार राशि दी जाएगी। प्रतिभागियों को 82,000 घंटे का विशेष प्रशिक्षण और मेंटरशिप भी दी जाएगी।

इस साल के प्रतिभागियों को चार महत्वपूर्ण थीमों पर समाधान बनाने के लिये प्रोत्साहित किया जा रहा है- अधिक सुरक्षित, स्मार्ट एवं समावेशी भारत के लिये एआई; भारत में स्वास्थ्य, आरोग्य तथा तंदुरुस्ती का भविष्य; शिक्षा और बेहतर भविष्य के लिये खेलों तथा तकनीकी के माध्यम से सामाजिक बदलाव; और टेक्नोलॉजी के जरिये पर्यावरण की स्थिरता।

सैमसंग साउथवेस्ट एशिया के प्रेसिडेंट और सीईओ जेबी पार्क ने कहा, 'सॉल्व फॉर टूमॉरो' के ज़रिए हम भारत के हर कोने के युवा इनोवेटर्स को बड़े सपने देखने, असल ज़िंदगी की चुनौतियों से निपटने और तकनीक के ज़रिए एक स्मार्ट और समावेशी भविष्य गढ़ने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। इस साल की प्रतियोगिता और भी बड़ी और व्यापक होगी। हम ज़्यादा शहरों में पहुंच रहे हैं, ज़्यादा स्कूलों और कॉलेजों के छात्रों को जोड़ रहे हैं और उन्हें डिज़ाइन थिंकिंग के सिद्धांतों पर आधारित नवाचार का अवसर दे रहे हैं। यह पहल भारत सरकार की अग्रणी सष्ठद्बद्दद्बह्लड्डद्यद्बठ्ठस्त्रद्बड्ड योजना के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जो युवाओं को भविष्य का निर्माणकर्ता बनने के लिए सशक्त करती है। आईआईटी दिल्ली के निदेशक प्रो. रंगन बेनर्जी ने कहा,आईआईटी दिल्ली को युवाओं के बीच नवाचार, उद्यमिता और व्यावहारिक समस्याओं के समाधान की क्षमता को बढ़ावा देने में गर्व महसूस होता है।

सैमसंग 'सॉल्व फॉर टूमॉरो' के साथ हमारी साझेदारी के ज़रिए हम युवा प्रतिभाओं को मेंटरशिप, शोध के लिए अत्याधुनिक संसाधन और तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं, ताकि वे अपने विचारों को ऐसे उत्पादों में बदल सकें जो समाज पर सकारात्मक असर डालें। हमें इस पहल का हिस्सा बनकर खुशी है, जो सामाजिक रूप से जागरूक नवाचार को बढ़ावा देती है और 'विकसित भारत' के निर्माण में अहम योगदान करती है।

जेएसडब्ल्यू इंफ्रास्ट्रक्चर ने चौथी तिमाही और वित्त वर्ष 2025 के नतीजे किए घोषित, मुनाफे में जबरदस्त बढ़ोतरी

मुंबई, एजेंसी। भारत के दूसरे सबसे बड़े निजी वाणिज्यिक बंदरगाह परिचालक और जेएसडब्ल्यू समूह की इकाई जेएसडब्ल्यू इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने 31 मार्च 2025 को समाप्त चौथी तिमाही और पूरे वित्त वर्ष 2025 के वित्तीय परिणामों की घोषणा की। कंपनी ने चौथी तिमाही में 516 करोड़ का कर-पश्चात लाभ दर्ज किया, जो वर्ष-दर-वर्ष 57 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। वहीं, पूरे वित्त वर्ष 2025 के लिए कंपनी का कर-पश्चात लाभ 1,521 करोड़ रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 31 प्रतिशत अधिक है। चौथी तिमाही में कंपनी ने 3.12 करोड़ टन सामान संभाला, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 5 प्रतिशत अधिक है। यह वृद्धि मुख्य रूप से मैंगलोर, एन्नोर और पारादीप के कोयला टर्मिनलों के बेहतर प्रदर्शन और तूतीकोरिन व जेएनपीए तरल टर्मिनल के प्रारंभिक संचालन के कारण संभव हो सकी। हालांकि पारादीप के लौह अयस्क टर्मिनल की कम मात्रा ने इस वृद्धि को कुछ हद तक सीमित किया। इस अवधि के दौरान तीसरे पक्ष की भागीदारी में 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई, और कुल वॉल्यूम में इसका हिस्सा 50 प्रतिशत रहा। नवकार कॉरपोरेशन के व्यापार के समेकन और अधिक मात्रा के कारण कंपनी की कुल आय 1,372 करोड़ रही, जिसमें 14 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। कंपनी का ईबीआईटीडीए 730 करोड़ रहा, जो 53.2 प्रतिशत मार्जिन के साथ है। पूरे वित्त वर्ष 2025 में जेएसडब्ल्यू इंफ्रास्ट्रक्चर ने कुल 11.7 करोड़ टन सामान संभाला, जो पिछले वर्ष की तुलना में 9 प्रतिशत अधिक है। यह वृद्धि फुजैरा तरल टर्मिनल, पीएनपी बंदरगाह और अन्य अधिग्रहीत संपत्तियों के साथ-साथ पारादीप, एन्नोर और मैंगलोर के कोयला टर्मिनलों में बेहतर उपयोग के कारण हुई। थर्ड पार्टी वॉल्यूम 5.73 करोड़ टन रहा, जिसमें 34 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई और कुल वॉल्यूम में इसकी भागीदारी 49 प्रतिशत रही (पिछले वर्ष 40 प्रतिशत)। कुल आय 4,829 करोड़ रही, जो 20 प्रतिशत की वृद्धि है। लागत नियंत्रण और संचालन क्षमता में सुधार के चलते कंपनी का ईबीआईटीडीए 2,615 करोड़ (54.2 प्रतिशत मार्जिन) और कर पूर्व लाभ 1,803 करोड़ रहा।

बेहद शर्मीले हैं शाहरुख खान बोले-

पार्टी में दीपिका पादुकोण के पीछे छिप जाता हूं

अभिनेता शाहरुख खान गुरुवार को वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट 2025 में पहुंचे। चार दिवसीय वेव्स समिट का आगाज आज शानदार तरीके से हुआ। इसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। मनोरंजन जगत की दिग्गज हस्तियां यहां पहुंचीं। इस कड़ी में शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण भी साथ में मंच पर बात करते दिखे। इस दौरान शाहरुख खान ने एक दिलचस्प खुलासा किया कि वे इवेंट और पार्टी में दीपिका पादुकोण के पीछे छिप जाते हैं।

शाहरुख बोले- बहुत शर्मीला हूं मैं

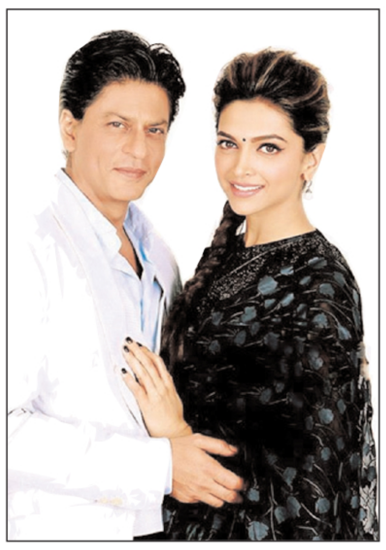

शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण ने वेव्स समिट में द जर्नी- फ्रॉम आउटसाइडर टू रूलर सेशन में हिस्सा लिया। इस सत्र का संचालन करण जौहर ने किया। इस दौरान दीपिका और शाहरुख खान ने काफी दिलचस्प बातें कीं। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक शाहरुख खान ने वेव्स समिट में कहा कि वे काफी शर्मील स्वभाव के हैं। किंग खान ने मजाकिया अंदाज में बताया कि वे अक्सर इवेंट और पार्टी में दीपिका को किसी शील्ड की तरह इस्तेमाल करते हैं और उनके पीछे छिप जाते हैं।

दीपिका बोलीं- हम दोनों एक-दूसरे के पीछे छिपने की कोशिश करते हैं

शाहरुख ने कहा जब मैं स्टेज पर आता हूं तो मैं बहुत शर्मीला हो सकता हूं। बहुत अजीब हो सकता हूं। मैं ऐसा ही हूं और यही कारण है कि मैं दीपिका से प्यार करता हूं, क्योंकि वह मुझसे लंबी हैं। इसलिए, ऐसा होता है कि जब हम किसी पार्टी में जाते हैं, तो मैं उनके पीछे छिप सकता हूं। वहीं, शाहरुख की इस बात पर दीपिका ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, यह सच है! दो अजीब लोग हैं और फिर वह मेरे पीछे भागते हैं और फिर मैं उनके पीछे भागती हूं और हम बस एक-दूसरे के पीछे छिपने की कोशिश करते हैं। शाहरुख ने आगे कहा, यह सब मजाक नहीं है।

दुआ की मां होना दीपिका का सबसे शानदार किरदार

इसके अलावा शाहरुख खान ने दीपिका की तारीफ की और कहा कि उन्हें लगता है कि बिटिया दुआ की मां होना दीपिका द्वारा निभाई जाने वाली सबसे अच्छी भूमिका होगी। शाहरुख खान ने कहा, मेरे पास एक और बात है, जो बहुत ही निजी है, इसलिए अगर मैं सीमाओं से परे जा रहा हूं तो मुझे माफ करें, लेकिन मुझे लगता है कि दीपिका जो रोल सबसे अच्छी तरह से निभाने जा रही हैं, इंशाअल्लाह, वह दुआ की मां की भूमिका है। मुझे लगता है कि वह वास्तव में एक शानदार मां साबित होंगी। बता दें कि दीपिका पादुकोण को बॉलीवुड में बड़ा ब्रेक शाहरुख खान के साथ ओम शांति ओम से मिला। इसके बाद दोनों साथ में कई फिल्मों में नजर आ चुके हैं।

100 साल पुराना है एक्ट्रेस का यह बंगला

दिल्ली के सरकारी आवास में शिफ्ट हुई कंगना रनौत

बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत एक सांसद के तौर पर दिल्ली के एमपी हाउस में शिफ्ट हो गई हैं। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें एक्ट्रेस गृह प्रवेश करती दिख रही हैं।

कंगना रनौत अब सिर्फ एक एक्टर के तौर पर ही नहीं पहचानी जाती हैं, बल्कि वह एक राजनेता भी हैं। एक्ट्रेस हिमाचल प्रदेश के मंडी से सांसद हैं, अब वह दिल्ली के सरकारी आवास में शिफ्ट हो गई हैं। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर आ गया है, जिसमें अभिनेत्री सिर पर कलश रखे अपने बंगले में प्रवेश करती दिख रही हैं।

नए घर में शिफ्ट हुई कंगना रनौत

सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में अभिनेत्री कंगना रनौत सफेद और लाल रंग की साड़ी पहने नजर आ रही हैं। साथ ही वह अपने सिर पर कलश रखकर नए घर में प्रवेश कर रही हैं। नए घर में प्रवेश करने के बाद एक्ट्रेस ने पूजा भी की। इसके अलावा आपको बताते चलें कि अभिनेत्री ने बीते दिन बुधवार यानी अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर एमपी हाउस में कदम रखा। कंगना के बंगले की कुछ तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं।

रुबीना दिलैक ने दिखाया वेस्टर्न अवतार

टीवी इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्रियों में शुमार रुबीना दिलैक एक बार फिर अपने अलग अंदाज को लेकर सुर्खियों में हैं। उनका ट्रेडिशनल लुक लोगों को जितना पसंद आता है, उतना ही पसंद वह उन्हें वेस्टर्न अवतार में भी करते हैं। फैंस की डिमांड पर रुबीना ने अपना एक और लुक इंस्टाग्राम पर शेयर किया है, जो अब इंटरनेट पर वायरल हो रहा है। इंस्टाग्राम पर शेयर की गई रील्स को कई तस्?वीरों को मिलाकर बनाया गया है, जिसमें वह वेस्टर्न लुक में दिखाई दे रही हैं। वह मैरून कलर के गाउन में नजर आ रही हैं। इस रील को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा- बस यूं ही इससे पहले उन्होंने ग्रीन कलर की साड़ी में फोटोशूट शेयर किया था, जिसमें अपने देसी अंदाज को बेहतरीन बनाने के लिए उन्होंने बालों को खुला रखा और कानों में हैवी ईयरिंग्स पहने। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा- इश्क और मुश्क छिपाए नहीं छुपता। इस फोटोशूट पर एक्ट्रेस निशा रावल ने कमेंट किया था, उन्होंने लिखा- हमेशा प्यार बांटती रहो।

बता दें कि रुबीना दिलैक ने मिस शिमला समेत कई ब्यूटी कॉन्टेस्ट में अवॉर्ड्स अपने नाम किए हैं। एक्ट्रेस बनने से पहले वह आईएएस अधिकारी बनना चाहती थीं। इसके लिए वह चंडीगढ़ में तैयारी भी कर रही थीं। इस दौरान अपनी एक फ्रेंड के कहने पर उन्होंने छोटी बहू सीरियल के लिए ऑडिशन दिया और सेलेक्ट हो गईं। यहां से उन्होंने एक्टिंग में जाने का फैसला किया और सीरियल में राधिका का रोल निभाया। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। वह सास बिना ससुराल, पुनर्विवाह- एक नई उम्मीद, जीनी और जूजू और शक्ति जैसे हिट शो का हिस्सा रही हैं। उन्होंने राजपाल यादव स्टारर फिल्म अर्ध से बॉलीवुड में डेब्यू किया। वह बिग बॉस 16 की विनर भी रही हैं।

समीरा ने शेयर किया पुराना वीडियो

अवॉर्ड शो में जाने से पहले मैं रो रही थी

मशहूर एक्ट्रेस समीरा रेड्डी इंटरनेट पर छाई रहती हैं। वह अपनी निजी जिंदगी से जुड़े अपडेट को सोशल मीडिया पर शेयर करती नजर आती हैं। इस कड़ी में उन्होंने अपने बॉलीवुड करियर के शुरुआती दिनों से जुड़ा भावनात्मक पल फैंस के साथ साझा किया।

उन्होंने बताया कि एक बार जब उन्हें किसी अवॉर्ड शो में जाना था, तो वे इतनी नर्वस और डरी हुई थीं कि वे रो पड़ी थीं। समीरा ने इंस्टाग्राम पर एक अवॉर्ड शो का पुराना वीडियो शेयर किया, जिसमें वह अवॉर्ड लेती नजर आ रही हैं। उस वक्त वह बॉलीवुड में नई थीं। उन्होंने बताया कि वह काफी डरी हुई थीं और घबराहट महसूस कर रही थीं। उन्हें खुद को संभालना मुश्किल हो रहा था। इस मुश्किल पल में उन्होंने अपनी बड़ी बहन का सहारा लिया, जिन्होंने उन्हें हिम्मत दी। समीरा ने कैप्शन में लिखा, मुझे याद है जब मैं उस अवॉर्ड शो में स्टेज पर थी, तो मुझे खुद पर बिल्कुल भी भरोसा नहीं था। मुझे लगता था कि मुझमें कुछ खास नहीं है। मैं बॉलीवुड में बिल्कुल नई थी। अवॉर्ड शो में जाने से पहले मैं घर पर रो रही थी। मुझे इतना डर लग रहा था कि मैंने अपनी बड़ी बहन सुषमा से कहा कि वो मेरे साथ चलें, क्योंकि मैं तब फिल्म इंडस्ट्री में किसी को ठीक से जानती भी नहीं थी। मुझे वहां सभी बड़े और प्रभावशाली लगते थे, और मैं खुद को बहुत छोटी और अकेली महसूस कर रही थी। इन सब से बाहर आने और खुद पर विश्वास करने में मुझे कई साल लग गए।

उन्होंने आगे लिखा, आज जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूं, तो समझ आता है कि मैंने कितनी दूर का सफर तय किया है। अब मैं अपने शरीर, दिल और आत्मा के साथ बहुत सहज महसूस करती हूं। मुझे खुशी है कि आज मुझे वैसे ही प्यार और अपनापन मिल रहा है जैसी मैं हूं। ये सच में एक आशीर्वाद है।

जोखिम लेने से डर नहीं लगता..., सामंथा रुथ प्रभु ने बताया- कैसे बनी शुभम

अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु ने शुभम से फिल्म निर्माण में भी कदम रख दिया है। उनकी बनाई यह फिल्म 9 मई को रिलीज होगी। इस दौरान अभिनेत्री सामंथा ने फिल्म निर्माण को लेकर अपने अनुभव साझा किए। जब सामंथा से पूछा गया कि डर नहीं लगा तो पढ़ें उन्होंने क्या जवाब दिया...

अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु से जब पूछा गया कि अभिनय की तुलना में फिल्म निर्माण का अनुभव कैसे अलग रहा? इसपर उन्होंने कहा कि जब आप एक निर्माता होते हैं, तो फिल्म निर्माण के हर पहलू के बारे में सीखने का मौका मिलता है। अभिनेत्री सामंथा रूथ प्रभु ने बताया कि एक अभिनेत्री के रूप में मैंने जितना कुछ सीखा था, इस फिल्म का निर्माण करते हुए मैंने उससे ज्यादा सीखा। जब आप एक निर्माता होते हैं तो फिल्म निर्माण के हर पहलू के बारे में करीब से सीखने का मौका मिलता है। इस पूरी प्रक्रिया का हिस्सा बनना मेरे लिए काफी संतोषजनक रहा।

क्या उन्हें यह कदम जोखिम भरा नहीं लगा?

इसपर अभिनेत्री सामंथा ने जवाब दिया कि इंडस्ट्री में 15 साल बिताने के बाद, जुनून और उद्देश्य ने डर को पीछे छोड दिया है। इस उद्योग में जोखिम अपरिहार्य है। इसके बिना आप सार्थक बदलाव की उम्मीद नहीं कर सकते हैं।

पहलगाम हमले के बाद सुनील शेट्टी ने दिया राष्ट्रीय एकता का संदेश, बोले- देश सबसे ऊपर

बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया। बातचीत के दौरान शेट्टी ने कहा कि सबसे ऊपर देश है। अपकमिंग फिल्म केसरी वीर की रिलीज को लेकर उत्साहित अभिनेता ने देशवासियों से मतभेदों को दूर कर एकजुट रहने का संदेश दिया। उन्होंने फिल्म के संदेश को देश के नागरिकों की मौजूदा जरूरत बताया, क्योंकि फिल्म तुगलक साम्राज्य के हमलों से भी संबंधित है, जिसमें स्थानीय लोगों ने सोमनाथ मंदिर और हिंदू धर्म की रक्षा के लिए हमलावर ताकतों से लड़ाई लड़ी थी। सुनील ने कहा, मेरा देशवासियों को संदेश स्पष्ट है कि देश सबसे ऊपर है। लोग अलग-अलग क्षेत्रों से एक साथ सामने आते हैं। हमें नफरत और डर को खुद पर हावी नहीं होने देना चाहिए। लेकिन अपनी ताकत और हमारे मूल्यों को हावी होने दें और दुनिया को दिखाएं कि हम एक हैं और ऐसी चीजों से मिलकर लड़ेंगे, कभी हार नहीं मानेंगे। उन्होंने 26/11 के हमलों का उदाहरण देते हुए कहा, हमारे देश पर हमले पहले भी हो चुके हैं। 26/11 हुआ था, लेकिन मुंबई अगले ही दिन फिर से उठ खड़ी हुई थी, उन सभी वीरों को सलाम, जिन्होंने अपनी जान गंवाई। हम अब और अधिक सतर्क हैं, हम अब और अधिक जागरूक हैं। मुझे लगता है कि यही संदेश हमारी फिल्म केसरी वीर भी देती है। हमारे मूल्य, रिश्ते, संस्कृति, हमारे भगवान, देवी-देवता जिनका हम गहराई से सम्मान करते हैं, ये हमें आगे बढ़ने और ऐसी परिस्थिति में खड़े होने की ताकत देते हैं।

इससे पहले, कश्मीर से अभिनेता का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें वह भारत के लोगों से कश्मीर से मुंह न मोड़ने और पर्यटन के माध्यम से अर्थव्यवस्था का समर्थन करने के लिए वहां बड़ी संख्या में आने का आग्रह करते हुए दिखाई दिए थे।

स्टूडेंट बनकर वेव्स समिट पहुंचे अक्षय कुमार

मोहनलाल से पूछा सबसे जरूरी सवाल

अभिनेता अक्षय कुमार, हेमा मालिनी और मोहनलाल वेव्स समिट में पहुंचे हैं। अक्षय कुमार ने मोहनलाल से मलयालम सिनेमा के बारे में सवाल पूछा, जिसका उन्होंने बहुत अच्छी तरह से जवाब दिया। एक मई को वेव्स समिट शुरू हो चुका है। समिट में कई बड़े कलाकार पहुंचे हैं। आज समिट के मंच पर एक साथ मोहनलाल, हेमा मालिनी, चिरंजीवी और अक्षय कुमार को एक साथ देखा गया।

अक्षय कुमार ने कहा कि पहले मुझे भी मंच पर बतौर स्पीकर आने को कहा गया, लेकिन मैंने देखा कि इतने बड़े-बड़े लोग हैं, हेमा मालिनी, चिरंजीवी और मोहनलाल सर... तो मैंने कहा कि इतने बड़े लीजेंड्स के साथ मुझे भी स्पीकर बनना होगा तो यह ठीक नहीं होगा। इसलिए, मैंने निवेदन किया कि मैं उनसे सवाल करूंगा। मैं उनसे छात्र की तरह बात करूंगा। अक्षय कुमार बतौर मॉडरेटर उपस्थित रहे। अक्षय कुमार ने मोहनलाल से कहा मैं आपसे पूछना चाहता हूं कि मलयालम सिनेमा को भारतीय सिनेमा का सबसे अहम सिनेमा कहा जाता है। क्या आपको लगता है कि एंटरटेनमेंट सिनेमा और आर्ट सिनेमा एक साथ चल सकते हैं? इस पर चिरंजीवी ने जवाब दिया मलयालम सिनेमा को भारत का अहम सिनेमा बुलाने के लिए धन्यवाद। मलयालम सिनेमा में ऐसा नहीं हुआ है। दोनों में बैलेंस है। मैंने कई बड़े निर्देशकों के साथ काम किया है। उन्होंने आर्ट फिल्में बनाई हैं। उसमें भी एंटरटेनमेंट का मूल था।

संगीत का कोई धर्म नहीं..., भारत में पाक कलाकारों पर लगे बैन पर बोलीं कविता कृष्णमूर्ति

दिग्गज गायिका कविता कृष्णमूर्ति ने पहलगाम आतंकवादी हमले के मद्देनजर भारत में पाकिस्तानी कलाकारों के काम करने पर प्रतिबंध लगाए जाने पर अपनी राय साझा की। उन्होंने कहा कि संगीत का कोई धर्म नहीं होता। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि भारत में भी काफी प्रतिभाशाली कलाकार हैं, जिन्हें अब मौका मिलना चाहिए।

लोकप्रिय कलाकारों की सराहना करनी होगी...

कविता ने जूम को बताया, मुझे लगता है कि संगीत की कोई भाषा या बाधा नहीं होती, यह सब सात सुरों के बारे में है और यदि कोई कलाकार बहुत अच्छा है और वे लोकप्रिय हैं तो आपको उनकी सराहना करनी होगी और व्यक्तिगत रूप से मेरे लिए संगीत का कोई धर्म नहीं है। कुछ भी नहीं है, लेकिन साथ ही भारत में भी पर्याप्त प्रतिभाएं हैं, जिन्हें आप ट्रैक कर सकते हैं और भारतीय कलाकारों को अवसर दे सकते हैं।

पाकिस्तानी कलाकारों पर क्या बोलीं गायिका

उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी गायक भारत में काफी लोकप्रिय हैं, लेकिन देश में घरेलू कलाकारों की भी भरमार है। उन्होंने कहा, पाकिस्तानी कलाकारों ने भारत में खूब गाने गाए हैं और लोगों ने उन्हें स्वीकार किया है और मुझे लगता है कि यह सिलसिला जारी रहेगा, लेकिन मुझे लगता है कि आप निश्चित रूप से बहुत कुछ हासिल कर सकते हैं। भारतीय कलाकार सही अवसरों की प्रतीक्षा कर रहे हैं, इसलिए उन्हें भी अवसर क्यों न दिया जाए।

पहलगाम हमले पर गायिका की प्रतिक्रिया

दिग्गज गायिका ने पहलगाम में पर्यटकों पर हुए हमले की निंदा की और कहा कि इस घटना ने उन्हें दुखी, दुखी और निराश कर दिया है। उन्होंने कहा, एक देशभक्त के रूप में मैं हमारी सरकार द्वारा लिए गए किसी भी निर्णय के साथ खड़ी रहना चाहती हूं।

- साभार

बोल्ट के टी20 में 300 विकेट पूरे, ऐसा करने वाले न्यूजीलैंड के तीसरे गेंदबाज बने

जयपुर, एजेंसी। मुंबई इंडियंसके तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट के टी20 में 300 विकेट पूरे हो गए हैं। बोल्ट ने शुक्रवार को जयपुर में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अपनी टीम के इंडियन प्रीमियर लीग मैच के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। मैच के दौरान पावरप्ले में विकेट लेने वाले न्यूजीलैंड के इस अनुभवी खिलाड़ी ने अपनी नई फॉर्म जारी रखी, हालांकि उन्होंने कुछ रन भी लुटाए। बोल्ट ने 2.1 ओवर में 12.90 की इकॉनमी रेट से 28 रन देकर 3 विकेट हासिल किए। उन्होंने दूसरे ओवर में यशस्वी जायसवाल के खिलाफ दो छक्के खाए, लेकिन कीवी ने जल्द ही फॉर्म में चल रहे युवा सलामी बल्लेबाज के स्टंप उखाड़कर उन्हें पवेलियन भेज दिया। चौथे ओवर में नितीश राणा और राजस्थान के स्टैंड-इन

कप्तान रियान पराग ने 35 वर्षीय खिलाड़ी का मुकाबला करने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने पुल करने की कोशिश में नितीश का विकेट ले लिया, लेकिन तिलक वर्मा ने कैच कर लिया। उन्होंने पारी का अंतिम विकेट जोफ्रा आर्चर का लिया, जिसे तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने कैच किया। अब 257 टी20 में बोल्ट ने 25.10 की औसत से 302 विकेट लिए हैं जिसमें 4/13 का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन और 8.05 की इकॉनमी रेट शामिल है। वह टिम साउथी (343 विकेट), ईश सोढ़ी (310 विकेट) के बाद 300 विकेट के आंकड़े तक पहुंचने वाले न्यूजीलैंड के तीसरे गेंदबाज हैं। अपने पिछले पांच मैचों में 11 विकेट के साथ बौल्ट शानदार फॉर्म में हैं और 21.00 की औसत और 8.80 की इकॉनमी रेट से 16 विकेट लेकर पर्पल कैप की दौड़ में तीसरे स्थान पर हैं जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ आंकड़ा 4/26 है। मैच की बात करें तो राजस्थान रॉयल्स को जयपुर के मैदान पर ही मुंबई इंडियंस ने धूल चटाते हुए सीजन की लगातार छठी जीत हासिल की और अंक तालिका में टॉप पर पहुंच गई। मुंबई ने जयपुर के मैदान पर 13 साल बाद राजस्थान को हराया है। जबकि 100 रन से हार राजस्थान की रनों के लिहाज से दूसरी सबसे बड़ी हार है। राजस्थान रॉयल्स ने टॉस जीतकर फील्डिंग करने का फैसला किया था। रिकल्टन, रोहित, हार्दिक और सूर्यकुमार की पारियों के दम पर मुंबई ने राजस्थान को 217 रन का लक्ष्य दिया था। जवाब में खेलने उतरी राजस्थान की पारी शुरूआत में ही बिखर गई। उन्होंने पावरप्ले में ही 5 विकेट गंवा लिए थे जोकि इस सीजन में पहली बार हुआ है। मुंबई के लिए कर्ण शर्मा और ट्रेंट बोल्ट ने 3-3 तो जसप्रीत बुमराह ने 2 विकेट लीं।

भाई आजकल उम्र छोटी करके क्रिकेट भी खेलने लगे, वैभव सूर्यवंशी पर बॉक्सर विजेंदर सिंह ने उठाए सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। राजस्थान रॉयल्स के 14 वर्षीय ओपनर वैभव सूर्यवंशी ने गुजरात टाइटन्स के खिलाफ 35 गेंदों में शतक जड़कर पूरे क्रिकेट जगत को चौंका दिया और इतिहास रच दिया। वैभव की इस पारी के बाद क्रिकेट के बड़े-बड़े दिग्गजों ने जहां उनकी तारीफ की तो वहीं कुछ लोग उनकी उम्र के लेकर भी संदेह में थे। अब भारत के लिए ओलंपिक में ब्रांज मेडल जीत चुके बॉक्सर विजेंदर सिंह ने भी इस युवा खिलाड़ी पर अप्रत्यक्ष रूप से टिप्पणी की। अपने एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट में विजेंदर सिंह ने व्यंग करते हे पूछा

कि क्या लोगों ने क्रिकेट खेलने के लिए अपनी उम्र कम करनी शुरू कर दी है। विजेंदर का यह पोस्ट वैभव द्वारा खेली गई ऐतिहासिक पारी के ठीक दो दिन बाद आया है और इसलिए ये माना जा सकता है कि वो राजस्थान रॉयल्स के इस नन्हें स्टार बल्लेबाज के बारे में बात कर कर रे हैं। विजेंद्र ने लिखा, भाई आज कल उम्र छोटी करके क्रिकेट में भी खेलने लगे। आपको बता दें कि खिलाड़ियों की उम्र को छोटी करके खेलने की घटना पहले कई बार सामने आ चुकी है। विजेंदर ने शायद उसे देखते हुए अब ऐसा कमेंट किया। आपको बता दें कि वैभव सूर्यवंशी ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 37 गेंदों पर 7 चौकों और 11 गगनचुम्बी छक्कों की मदद से 101 रन बनाए। वह टी20 क्रिकेट और आईपीएल में शतक लगाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने थे। सूर्यवंशी ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 35 गेंदों में शतक लगाया था और यह आईपीएल के इतिहास में किसी भारतीय द्वारा बनाया गया सबसे तेज शतक था। यह आईपीएल में क्रिस गेल के आईपीएल 2013 में पुणे वॉरियर्स इंडिया के खिलाफ 30 गेंदों में शतक लगाने के बाद दूसरा सबसे तेज शतक भी था।

हम युवा खिलाड़ियों को सुपरस्टार बनाते हैं

• टीम बाहर हो चुकी, लेकिन अपने गुणगान में जुटे कोच

जयपुर, एजेंसी। आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स की टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है। मुंबई के खिलाफ हार के साथ ही टीम के प्लेऑफ में जगह बनाने की उम्मीदें समाप्त हो गईं। हालांकि, टीम के फील्डिंग कोच दिशांत याग्निक अपने और अपनी टीम के गुणगान में जुटे हैं। याग्निक ने कहा कि मेगा नीलामी से पहले जोस बटलर और ट्रेंट बोल्ट जैसे सुपरस्टार को रिलीज करने की आलोचना के बावजूद उनकी टीम युवाओं का समर्थन करना जारी रखेगी। उन्होंने कहा कि हमारी टीम युवा खिलाड़ियों को सुपरस्टार बनाती है।

राजस्थान रॉयल्स के 11 मैचों में केवल छह अंक हैं और वह अंक तालिका में आठवें स्थान पर है। मुंबई इंडियंस ने गुरुवार को आरआर को 100 रन से हराया। रॉयल्स की टीम में कई युवा खिलाड़ी हैं जिनमें आईपीएल में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाले 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी और सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल भी शामिल हैं, लेकिन इस टीम को इंग्लैंड के सीमित ओवरों के पूर्व कप्तान बटलर और न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज बोल्ट की बड़ी कमी खल रही है।

आने वाले समय में स्टार बन जाएंगे ये खिलाड़ी

रॉयल्स पिछले साल 14 मैचों में 17 अंकों के साथ तालिका में तीसरे स्थान पर रहते हुए प्लेऑफ में जगह बनाई थी। मुंबई इंडियंस के खिलाफ सलामी बल्लेबाज वैभव खाता भी नहीं खोल पाए, जबकि जायसवाल ने 13 रन बनाए। याग्निक ने कहा, वैभव सूर्यवंशी को देखिए, जब वह गुजरात के खिलाफ बल्लेबाजी कर रहे थे तो हर कोई खुश था। दर्शक खुश थे और हमें पूरा विश्वास है कि आने वाले समय में ये खिलाड़ी स्टार बन जाएंगे।

इसी टीम को आगे बढ़ाएंगे

उन्होंने कहा, समय आ गया है कि आप इससे आगे की सोचें। जब आपके पास स्टार खिलाड़ी नहीं है, तो आपको इसे भूल जाना होगा और आगे बढ़ना होगा। हमारे पास वैभव, यशस्वी जायसवाल हैं। संजू सैमसन हमारे कप्तान हैं। हम इस टीम के साथ आगे बढ़ेंगे और जीतकर दिखाएंगे। वैभव ने गुजरात के खिलाफ 38 गेंद में 101 रन की पारी खेली थी।

पिछले साल और इस साल में टीम में अंतर

याग्निक से जब पिछले साल की टीम और इस साल की टीम के बीच अंतर के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, स्टार (खिलाड़ियों) के बारे में आपके प्रश्न में एक बड़ा मुद्दा है। जब भी कोई नया खिलाड़ी आता है, तो वह स्टार नहीं होता है, लेकिन उसे स्टार बनाया जाता है। पिछले साल हमारे पास जो खिलाड़ी थे, जब वे टीम में आए तो वे स्टार नहीं थे, लेकिन वे स्टार बन गए और अब जो खिलाड़ी हमारी टीम में हैं, हम उन्हें स्टार बनाएंगे। हम सुपरस्टार खरीदते नहीं हैं, हम सुपरस्टार बनाते हैं और यही हमारा मुख्य उद्देश्य है।

बुमराह–बोल्ट के साथ काम करके आसानी हो रही

इस बीच मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाज दीपक चाहर ने स्वीकार किया कि जसप्रीत बुमराह और ट्रेंट बोल्ट जैसे विश्व स्तरीय गेंदबाजों के साथ गेंदबाजी करने से उनका काम आसान हो जाता है। उन्होंने कहा, जब आप विश्व स्तरीय गेंदबाजों के साथ गेंदबाजी कर रहे होते हैं तो आपके लिए काम आसान हो जाता है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करने वाले विश्व स्तरीय गेंदबाजों के साथ गेंदबाजी करने से मुझे मदद मिल रही है और जब आप एक इकाई के रूप में गेंदबाजी करते हैं, तो दूसरी टीम के लिए भी यह मुश्किल हो जाता है।

प्लेऑफ से बाहर होने पर बोले रियान पराग- हमने बहुत सी गलतियां की है

जयपुर, एजेंसी। रियान पराग को सीजन के बीच कप्तानी मिलना रास नहीं आया है। उनकी कप्तानी में राजस्थान प्लेऑफ की रेस से बाहर होने वाली दूसरी टीम बन गई है। जयपुर के मैदान पर राजस्थान को 100 रन से हार झेलनी पड़ी जोकि इस मैदान पर मुंबई की 13 साल बाद हासिल की गई पहली जीत भी है। हार के कारणों पर चर्चा करते हुए राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग ने कहा कि मुंबई जिस तरह से आज खेली, उन्हें श्रेय देना होगा। जिस तरह से उन्होंने बल्लेबाजी की, खेल को थोड़ा और आगे बढ़ाया, 10 रन प्रति ओवर की निरंतरता बनाए रखी और अंत में तेजी से रन बनाए, वह अच्छा था। जहां तक हमारी बल्लेबाजी का सवाल है, यह हमारा दिन नहीं था। अगर रनों का पीछा ही करना था तो 190-200 का लक्ष्य आदर्श होता। लेकिन अंत में हार्दिक और सूर्य भाई ने स्थिति बदल दी। हम आखिरी ओवरों में कुछ चीजें बेहतर कर सकते थे, लेकिन ऐसा ही है।

पराग ने हार के कारणों पर चर्चा करते हुए कहा कि हमें अच्छी शुरुआत मिल रही है, लेकिन मध्य क्रम में मैं, ध्रुव पर जिम्मेदारी होती है कि पावरप्ले में विकेट खोने पर पारी को आगे बढ़ाया जाए। इसके लिए हमें खुद पर भरोसा करता होगा। अगर कोई और स्थिति

(आज की तरह) आती है तो हम इसके लिए तैयार रहेंगे। वहीं, राजस्थान के प्लऑफ की रेस से बाहर होने पर पराग ने कहा कि हमने बहुत सी चीजें सही की हैं, बहुत सी चीजें गलत की हैं, हम उन चीजों पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं जो हमने सही की हैं। हमने बहुत सी गलतियां की है। उसे कैसे ठीक करना है, पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है। हमारे पास कुछ करीबी मैच हैं, अगर हमें अगले 3 में पहले 10 खेलों की तरह अवसर मिलता है तो उम्मीद है कि हम इसे बेहतर कर सकते हैं।

अंक तालिका – राजस्थान 8वें स्थान पर

राजस्थान सीजन में 8 हार के साथ प्लेऑफ की रेस में लगभग बाहर हो गई है। राजस्थन ने 11 मैचों में सिर्फ तीन ही जीत हासिल की है जो उन्होंने चेन्नई, पंजाब और गुजरात के खिलाफ हासिल की थी। राजस्थान अंक तालिका में 8वें स्थान पर है। वहीं, मुंबई इंडियंस 11 मैचों में 7 जीत के साथ दूसरे स्थान पर आ गई है। पहले पर अभी भी 10 मैचों में सात जीत के साथ बेहतर रन रेट के कारण आरसीबी भी बनी हुई है। मुंबई ने दिल्ली, हैदराबाद, चेन्नई, फिर हैदराबाद, लखनऊ और अब राजस्थान को हराया है।

आज चेन्नई के खिलाफ आरसीबी की निगाहें प्लेऑफ में जगह पक्की करने पर

बेंगलुरु (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) शनिवार को यहां जब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में चेन्नई सुपर किंग्स का सामना करेगा तो उसकी निगाह प्ले ऑफ ने अपनी जगह लगभग पक्की करने पर होगी। महेंद्र सिंह धोनी और विराट कोहली की मौजूदगी के कारण यह मैच खास बन गया है क्योंकि क्रिकेट प्रेमियों को भारतीय क्रिकेट के इन दोनों दिग्गज खिलाड़ियों को संभवतः आखरी बार एक दूसरे के खिलाफ खेलते हुए देखने का मौका मिलेगा।

इस मैच में जीत दर्ज करने पर आरसीबी के कुल 16 अंक हो जाएंगे और उसका प्लेऑफ में जगह बनाना लगभग सुनिश्चित हो जाएगा। आरसीबी को इसके बाद तीन और मैच खेलने हैं और जिस तरह से उसकी टीम लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है उसे देखते हुए टीम की निगाह शीर्ष दो में जगह बनाने पर लगी होगी ताकि उसे फाइनल में पहुंचने के लिए दो मौके मिलें। जहां तक चेन्नई का सवाल है तो उसके 10 मैच में केवल चार अंक हैं और वह प्ले ऑफ की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुकी है।

धोनी की अगुवाई वाली टीम हालांकि ऋष्क्र के समीकरण बिगाड़ने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी। इस मैच में हालांकि सभी की निगाहें धोनी और कोहली पर टिकी रहेंगी। कोहली इस समय बेहतरीन फॉर्म में चल रहे हैं। उन्होंने अभी तक टूर्नामेंट में 443 रन बनाए हैं और वह फिर से ऑरेंज कैप हासिल करने की कोशिश करेंगे जो प्रतियोगिता में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज को मिलती है।

उन्हें तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने वाले देवदत्त पडिक्कल से अच्छा सहयोग मिल रहा है। देवदत्त ने अपनी पिछली दो पारियों में दो अर्द्धशतक बनाए हैं। लेकिन कोहली निश्चित रूप से अपने सलामी जोड़ीदार फिल साल्ट से अधिक योगदान देखना चाहेंगे। आरसीबी को अपने कप्तान रजत पाटीदार से भी बड़ी पारी की उम्मीद होगी।

चेन्नई के गेंदबाजों में अभी तक तेज गेंदबाज खलील अहमद और स्पिनर नूर अहमद ही अच्छा प्रदर्शन कर पाए हैं और आरसीबी के बल्लेबाज इसका पूरा फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। लेकिन चेन्नई के बल्लेबाजों को इस तरह की राहत नहीं मिलेगी क्योंकि उनका सामना जोश हेज़लवुड, भुवनेश्वर कुमार, कृणाल पंड्या और सुयश शर्मा से होगा।

चेन्नई के बल्लेबाजों ने अभी तक टुकड़ों में अच्छा प्रदर्शन किया है। उसकी टीम को उम्मीद होगी कि उनके बल्लेबाज जैसे आयुष म्हात्रे, सैम कुरेन, डेवाल्ड ब्रेविस और शिवम दुबे अच्छा योगदान देंगे जिससे कि धोनी अंतिम ओवर में अपने सर परिचित आक्रामक अंदाज में रन बना सकें।

टीमें

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु – रजत पाटीदार (कप्तान) फिल साल्ट, विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), टिम डेविड, कृणाल पंड्या, रोमारियो शेफर्ड, भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड, यश दयाल, सुयश शर्मा, लुंगी एनगिडी, लियाम लिविंगस्टोन, स्वप्निल सिंह, मनोज भांडागे, रसिख दार सलाम, नुवान तुषारा, जैकब बेथेल, मोहित राठी, स्वास्तिक चिकारा, अभिनंदन सिंह।

चेन्नई सुपर किंग्स – एमएस धोनी (कप्तान, विकेटकीपर), शेख रशीद, आयुष म्हात्रे, दीपक हुडा, सैम कुरेन, रवींद्र जडेजा, डेवाल्ड ब्रेविस, शिवम दुबे, नूर अहमद, खलील अहमद, मथीशा पथिराना, अंशुल कंबोज, आर अश्विन, कमलेश नागरकोटी, रामकृष्ण घोष, जेमी ओवरटन, विजय शंकर, राहुल त्रिपाठी, श्रेयस गोपाल, डेवोन कॉनवे, रचिन रवींद्र, मुकेश चौधरी, नाथन एलिस, सी आंद्रे सिद्धार्थ, वंश बेदी।

समय -शाम 7.30 बजे।

श्रीसंत पर गिरी गाज

केरल क्रिकेट एसोसिएशन ने लगाया तीन साल का प्रतिबंध

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल क्रिकेट एसोसिएशन (केसीए) ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम से संजू सैमसन को बाहर किए जाने से जुड़े विवाद के संबंध में कथित तौर पर झूठे और अपमानजनक बयान देने के लिए पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज एस श्रीसंत को तीन साल के लिए निलंबित कर दिया है।

केसीए ने एक बयान में कहा कि यह निर्णय 30 अप्रैल को कोच्चि में आयोजित अपनी विशेष आम सभा की बैठक में लिया गया। श्रीसंत वर्तमान में केरल क्रिकेट लीग की एक फ्रेंचाइजी टीम कोल्लम एरीज के सह-मालिक हैं। इससे पहले उनकी विवादास्पद टिप्पणी के संबंध में श्रीसंत के साथ-साथ फ्रेंचाइजी टीमों कोल्लम एरीज, अलाप्पुझा टीम लीड और अलाप्पुझा रिपल्स को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। बयान में कहा गया है, चूंकि फ्रैंचाइजी टीमों ने नोटिस का संतोषजनक जवाब दिया है, इसलिए उनके खिलाफ आगे कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। हालांकि बैठक में टीम प्रबंधन में सदस्यों की नियुक्ति करते समय अधिक सावधानी बरतने की सलाह देने का फैसला किया गया। बयान में कहा गया है कि आम सभा ने संजू सैमसन के पिता सैमसन विश्वनाथ और दो अन्य के खिलाफ संजू सैमसन के नाम का इस्तेमाल कर निराधार आरोप लगाने के लिए मुआवजे का दावा दायर करने का भी संकल्प लिया।

राजस्थान को हराकर मुंबई अंक तालिका में टॉप पर, सूर्यकुमार ने हासिल की ऑरेंज कैप

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस ने राजस्थान रॉयल्स को उसी के घर जयपुर में हराकर जीत का सिक्सर लगाते हुए आईपीएल 2025 के अंक तालिका में टॉप पर पहुंच गई है। मुंबई के टॉप पर पहुंचने के कारण रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और पंजाब किंग्स को एक-एक स्थान नीचे खिसकना पड़ा है।

मुंबई ने जयपुर के मैदान पर 13 साल बाद राजस्थान को हराया है। जबकि 100 रन से हार राजस्थान की रनों के लिहाज से दूसरी सबसे बड़ी हार है। राजस्थान रॉयल्स ने टॉस जीतकर फील्डिंग करने का फैसला किया था। रिकल्टन, रोहित, हार्दिक और सूर्यकुमार की पारियों के दम पर मुंबई ने राजस्थान को 217 रन का लक्ष्य दिया। जवाब में खेलने उतरी राजस्थान की पारी शुरूआत में ही बिखर गई। उन्होंने पावरप्ले में ही 5 विकेट गंवा लिए

थे जोकि इस सीजन में पहली बार हुआ है। मुंबई के लिए कर्ण शर्मा और ट्रेंट बोल्ट ने 3-3 तो जसप्रीत बुमराह ने 2 विकेट लीं।

मुंबई के 11 मैचों में 7 जीत और 4 हार के बाद कुल 14 अंक हो गए हैं। हालांकि बेंगलुरु के 10 मैचों में 7 जीत और 3 हार के साथ 14 अंक हैं लेकिन नेट रन रेट के कारण मुंबई टॉप पर है और बेंगलुरु खिसक कर दूसरे स्थान पर आ गई है। पंजाब के 10 मैचों में 6 जीत 3 हार और एक ड्रॉ के कारण 13 अंक हैं और वह इस समय तीसरे स्थान पर है। टॉप 4 में अंतिम टीम गुजरात टाइटंस है जिसने 9 मैचों में 6 जीत और 3 हार के साथ 12 अंक हैं। राजस्थान की बात करें तो वह 11 मैचों में मात्र 3 जीत के साथ 6 अंक सहित 8वें स्थान पर कायम है।

ऑरेंज कैप- मुंबई इंडियंस के बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने साई सुदर्शन और विराट कोहली को पछाड़कर ऑरेंज कैप हासिल कर ली है। मुंबई बनाम राजस्थान मैच से पूर्व वह तीसरे स्थान पर थे लेकिन उन्होंने नाबाद 48 रन की पारी खेलते हुए ऑरेंज कैप हासिल कर ली है। सूर्यकुमार के होल्ड 11 मैचों की 11 इनिंग्स में 68 के हाईएस्ट और 67.86 की औसत के साथ कुल 475 रन हो गए हैं। उनके नाम मौजूदा ढ्रक्क सीजन में 3 अर्धशतक हैं।

पर्पल कैप – पर्पल कैप की बात करें तो आरसीबी के जोश हेजलवुड के पास पर्पल कैप बनी हुई हैं। उनके नाम 10 मैचों की 10 इनिंग्स में 18 विकेट्स हैं। हेजलवुड ने 33/4 के बेस्ट और 8.44 की इकोनॉमी के साथ 18 विकेट्स लिए हैं।

वाकई एक परफेक्ट मैच था- राजस्थान को हराकर बोले हार्दिक पांड्या

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर के मैदान पर राजस्थान रॉयल्स को हराने के बाद मुंबई के कप्तान हार्दिक पांड्या ने कहा कि हमने जिस तरह बल्लेबाजी की और गेंदबाजी में भी जिस तरह सटीकता दिखाई ये वाकई एक परफेक्ट मैच था। हम शायद 15 रन और बना सकते थे। हमारी आपस में बातचीत यही थी कि प्रतिशत के हिसाब से शॉट्स खेलें। सूर्या और मैंने कहा कि यहां शॉट्स की वैल्यू है। रोहित और रायन ने भी उसी अंदाज में बल्लेबाजी की। मुझे लगता है यह शानदार था। यह कभी

इस बात पर निर्भर नहीं करता कि किसे मौका मिला, बल्कि इस पर होता है कि उस स्थिति में क्या जरूरी है। हार्दिक ने कहा कि लोग अब फिर से बल्लेबाजी के मूल सिद्धांतों की ओर लौट रहे हैं। एक यूनिट के तौर पर हमने जिस तरह बल्लेबाजी की, वो असली बल्लेबाजी थी।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2025 के नामांकन की अंतिम तिथि 31 जुलाई, ऑनलाइन आवेदन शुरू

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार (पीएमआरबीपी) 2025 के लिए नामांकन आमंत्रित किए हैं। नामांकन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2025 है। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 18 वर्ष से कम आयु (31 जुलाई 2025 तक) के उन युवाओं को सम्मानित करता है, जिन्होंने निम्नलिखित 6 श्रेणियों में उत्कृष्टता का प्रदर्शन किया है, जैसे-बहादुरी, सामाजिक सेवा, पर्यावरण, खेल, कला और संस्कृति, तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के अनुसार, सभी नामांकन आधिकारिक राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल https://awards.gov.in के माध्यम से ऑनलाइन प्रस्तुत किए जाने हैं। नामांकन 5 से 18 वर्ष (31 जुलाई 2025 तक) की आयु के बच्चों के लिए खुला है। कोई भी व्यक्ति या संस्था असाधारण उपलब्धियों वाले बच्चों को पीएमआरबीपी के लिए नामांकित कर सकती है। बच्चे स्व-नामांकन के माध्यम से भी आवेदन कर सकते हैं। अधिक जानकारी और नामांकन के लिए पोर्टल (https://awards.gov.in) को विजिट करें। आवेदन करने के लिए, आवेदकों को पहले अपना नाम, अंतिम नाम, जन्म तिथि,

आवेदक का प्रकार (व्यक्तिगत/संगठन), मोबाइल नंबर, ईमेल आईडी, आधार नंबर आदि जैसे विवरण और कैप्चा सत्यापन करके पोर्टल पर पंजीकरण या लॉग इन करना होगा। पंजीकरण के पश्चात्, उन्हें चल रहे नामांकन अनुभाग के अंतर्गत "प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2025" का चयन करना चाहिए और "नामांकन/अभी आवेदन करें" पर क्लिक करना चाहिए। इसके पश्चात् आवेदकों को संबंधित पुरस्कार श्रेणी चुननी चाहिए और यह इंगित करना चाहिए कि नामांकन उनके लिए है या किसी और के लिए। आपको बता दें, आवेदन पत्र में नामिति का विवरण, उपलब्धि और उसके प्रभाव का वर्णन करने वाला एक संक्षिप्त विवरण (अधिकतम 500 शब्द) और सहायक दस्तावेज (पीडीएफ प्रारूप, अधिकतम 10 अनुलग्नक) और एक हालिया फोटो (जेपीजी/जेपीईजी/पीएनजी प्रारूप में) अपलोड करना है। आवेदनों को ड्राफ्ट के रूप में सहेजा जा सकता है और अंतिम रूप से प्रस्तुत करने से पहले संपादित किया जा सकता है। समीक्षा और प्रस्तुत करने के बाद, आवेदन की एक डाउनलोड करने योग्य प्रति संदर्भ के लिए उपलब्ध होगी। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार का उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में भारत के युवाओं की उपलब्धियों की सराहना करना और उन्हें बढ़ावा देना, वास्तविक जीवन के आदर्शों को प्रदर्शित करके देश भर के साथियों को प्रेरित करना और बच्चों के समग्र विकास के लिए अनुकूल वातावरण को बढ़ावा देना है।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत का बड़ा फैसला, पाकिस्तान से आयात पूरी तरह बंद

नई दिल्ली। भारत ने पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद पड़ोसी देश के साथ बढ़ते तनाव के बीच पाकिस्तान से सभी प्रकार के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष आयात पर प्रतिबंध लगा दिया है। वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार, "पाकिस्तान में उत्पन्न या वहां से निर्यातित सभी वस्तुओं का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष आयात या पारगमन, चाहे वे स्वतंत्र रूप से आयात योग्य हों या अन्यथा अनुमत हों, तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक प्रतिबंधित रहेगा।" 2 मई की अधिसूचना में कहा गया, "यह प्रतिबंध राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक नीति के हित में लगाया गया है। इस प्रतिबंध में किसी भी अपवाद के लिए भारत सरकार की पूर्व स्वीकृति आवश्यक होगी।" अधिसूचना में कहा गया कि इस संबंध में विदेश व्यापार नीति (एफटीपी) 2023 में एक प्रावधान जोड़ा गया है, ताकि 'पाकिस्तान में उत्पन्न या वहां से निर्यात किए जाने वाले सभी सामानों के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष आयात या पारगमन पर रोक लगाई जा सके।' आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल 2024 और फरवरी 2025 के बीच भारत का पाकिस्तान को निर्यात [साल-दर-साल] 56.91 प्रतिशत घटकर 491 मिलियन डॉलर रह गया। जबकि कोई आयात नहीं हुआ। वित्त वर्ष 2025 में पाकिस्तान को किए गए शीर्ष निर्यात में ड्रग फॉर्मूलेशन, चीनी, थोक दवाएं, अवशिष्ट रसायन और ऑटो घटक शामिल थे। पहलगाम हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच एकमात्र व्यापार मार्ग अटारी-वाघा सीमा को पहले ही बंद कर दिया गया था। बता दें आतंकियों ने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर में एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल – पहलगाम स्थित बैसरन घाटी में लोगों (ज्यादातर पर्यटक) पर गोलियां चला दी थीं। हमले में 26 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। प्रतिबंधित आतंकवादी समूह 'लश्कर-ए-तैयबा' से जुड़े 'टीआरएफ' ने इस हमले की जिम्मेदारी ली। वहीं, पहलगाम हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया है। नई दिल्ली ने इस्लामबाद के खिलाफ कई सख्त कूटनीतिक और रणनीतिक कदम उठाए हैं। इनमें 1960 के सिंधु जल समझौते को तुरंत प्रभाव से निलंबित करने, अटारी इंटिग्रेटेड चेक पोस्ट को बंद करने, पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वीजा सेवाओं को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने, शामिल हैं।

SMS अस्पताल में प्लास्टर गिरने की घटना पर सीएम ने लिया संज्ञान

जयपुर। राजस्थान में जयपुर के सबसे मशहूर SMS अस्पताल में गुरुवार को प्लास्टर गिरने की घटना सामने आई थी। जिसपर सीएम ने देर रात संज्ञान लिया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सवाई मान सिंह में हुए इस हादसे को गंभीरता से लेते हुए शिक्षा सचिव के साथ बैठक ली। जिसमें सीएम ने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई के आदेश दिए। सीएम के साथ बैठक में शामिल होने के बाद शिक्षा सचिव अम्बरीश कुमार ने रात में ही अस्पताल के सर्जरी विभाग के 3एच वार्ड का निरीक्षण किया। उन्होंने मरीजों से बात की और घटना की जानकारी ली। शिक्षा सचिव के निरीक्षण के बाद, प्रथम दृष्टया दोषी पाए गए CAO सियाराम मीणा और AEN अंजू माथुर को उनके पदों से हटा दिया गया है। दोनों अधिकारियों को उनके मूल विभागों में वापस भेज दिया गया है। इसके अलावा, PWD वर्क्स के MOIC डॉ। राशिम कटारिया को भी उनके पद से हटाया गया।

क्या था मामला

गुरुवार सुबह करीब साढ़े दस बजे जयपुर के एसएमएस अस्पताल के सर्जिकल वार्ड की यूनिट-3 में अचानक छत के प्लास्टर का एक हिस्सा गिरा था। इस घटना में दो मरीज घायल हो गए, जिनमें से एक के चेहरे, सिर और आंख के पास गंभीर चोटें आईं। दोनों घायलों को तुरंत ऑपरेशन थियेटर (ओटी) में ले जाकर टांके लगाए गए। फिलाहल दोनों मरीजों की हालत अब स्थिर है और उन्हें सुरक्षित स्थान पर भेज दिया गया है। घटना में दो बेड और एक टेबल भी क्षतिग्रस्त हो गई थी।

संजौली मस्जिद पर बड़ा फैसला: निचली 2 मंजिलें भी हटानी होगी

-मालिकाना हक के दस्तावेज नहीं दे पाया वक्फ बोर्ड

शिमला। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला की संजौली मस्जिद मामले में बड़ा फैसला आया है। शिमला नगर निगम आयुक्त की अदालत ने संजौली मस्जिद को अवैध करार देते हुए इसे गिराने के आदेश दिए हैं। शनिवार को कोर्ट ने मस्जिद की निचली दो मंजिलों को अवैध घोषित किया है। इससे पहले कोर्ट ने पिछले साल अक्टूबर में मस्जिद की ऊपरी तीन मंजिलों को अवैध बताते हुए गिराने के आदेश दिए थे। अब नगर निगम कमिश्नर शिमला की कोर्ट ने संजौली मस्जिद को अवैध घोषित करते हुए इसे गिराने के आदेश दिए हैं। संजौली मस्जिद में अवैध निर्माण मामले में आयुक्त अदालत ने अपना फाइनल ऑर्डर दिया है। कोर्ट ने मस्जिद की निचली दो मंजिलों को भी अवैध मानते हुए गिराने के आदेश दिए हैं। नगर निगम आयुक्त ने अपने आदेश में कहा, "संजौली में पुराना ढांचा गिराने के बाद नया निर्माण किया गया, लेकिन पुराना ढांचा गिराने और नए निर्माण के लिए नगर निगम से अनुमति नहीं ली गई। ऐसे में संजौली मस्जिद निर्माण में एमसी एक्ट का वायलेशन हुआ है। ऐसे में मस्जिद के निचली दो मंजिलें भी अवैध हैं, जिसे गिराया जाना चाहिए"।

कमिश्नर कोर्ट ने पूरी मस्जिद को गिराने के दिए आदेश

एडवोकेट जगतपाल ने कहा कि जैसा कि 5 अक्टूबर 2025 को एमसी कोर्ट के आदेश में संजौली मस्जिद की सेकंड, थर्ड और फोर्थ फ्लोर गिराने का आदेश दिया गया था, आज संजौली मस्जिद की ग्राउंड और फर्स्ट फ्लोर को लेकर सुनवाई थी, जिसको लेकर हाईकोर्ट का आदेश था कमिश्नर कोर्ट इस मामले को 6 हफ्ते के भीतर निपटारा करें, वो निपटारा आज हो गया है। जिसमें पूरी मस्जिद को गैर कानूनी माना गया है और इसे गिराने के आदेश दिए गए हैं। एडवोकेट जगतपाल ने बताया कि आज ऑर्डर में ये क्लीयर निर्णय आया है कि पिछले 15 साल से हिमाचल वक्फ बोर्ड इस जमीन का मालिकाना हक साबित नहीं कर पाया। वहीं, पुरानी मस्जिद को गिराते समय सेक्शन 242, 243, 244 और ऑफ एमसी एक्ट की कंप्लायंस नहीं की थी। जिसके कारण उस स्थान पर कोई मस्जिद एग्जिस्ट नहीं करती थी। पुरानी मस्जिद को गिराने के बाद जो जमीन थी, वो हिमाचल सरकार के नाम पर ऑलरेडी चली गई थी। हिमाचल प्रदेश सरकार ही उस जमीन की मालिक थी।

मस्जिद वाली जमीन पर वक्फ बोर्ड का कोई हक नहीं

संजौली अवैध मस्जिद मामले में कमिश्नर ने साफ शब्दों में कहा है कि जब आपने पुरानी मस्जिद को बिना अनुमति गिरा दिया था और आपके पास सेंक्शन मैप नहीं था तो आप मस्जिद नहीं बना सकते थे। जिस कारण ये जो पूरी मस्जिद है, उसका आपने गैर कानूनी तरीके से निर्माण किया था। जिसकी आपके पास को एनओसी नहीं थी। बड़ी हैरानी की बात है कि पिछले 15 साल से लेकर आज तक वक्फ बोर्ड एमसी कारपोरेशन की ऑफिस से गार्बेज और टैक्स की एनओसी तक नहीं ले पाया। जिसकी वजह से वह अपनी एक भी कागज कोर्ट में सबमिट नहीं कर पाया।

इस मस्जिद वाली जमीन पर वक्फ बोर्ड का कोई हक नहीं है। एडवोकेट जगतपाल ने कहा संजौली मस्जिद में हुए अवैध निर्माण मामले में कोर्ट ने अक्टूबर 2024 के ऑर्डर में कमिश्नर ने संजौली मस्जिद कमेटी प्रेसिडेंट और हिमाचल वक्क बोर्ड को मस्जिद की सेकंड, थर्ड और फोर्थ फ्लोर गिराने का आदेश दिया था, जो आगे उनको दो महीने की और एक्सटेंशन मिली थी, लेकिन उन्होंने कंप्लाई नहीं किया था। उसके बाद हमारे एमसी कोर्ट में इस केस में दो स्टेट्स रिपोर्ट जो जेई की तरफ से आई है, उसमें उन्होंने स्पेशली लिखा है कि आप हमे ऑर्डर करें, हम एमसी वाले इस मस्जिद के तीन फ्लोर को डिस्मेंटल करेंगे और जो इसका खर्च है, वो मस्जिद कमेटी से लिया जाएगा।

लेकिन आज उस बात के ऊपर कोई फैसला नहीं आया। क्योंकि तीन फ्लोर का जो ऑर्डर है 5 अक्टूबर 2024 का, वो फाइनल हो चुका है। उसकी जो अपील की थी वो खारिज हो चुकी थी। वहीं, संजौली मस्जिद कमेटी और एचपी वक्फ बोर्ड ने 5 अक्टूबर 2024 का जो ऑर्डर था, उसे कंप्लाई नहीं किया। ऐसे में अब एमसी उसे खुद अप्लाई करने की कोशिश करेगी। गौरतलब है कि संजौली मस्जिद के अवैध निर्माण का मामला पिछले साल सुर्खियों में छाया रहा और ये मामला सड़क से लेकर हिमाचल प्रदेश की विधानसभा तक गूंजता रहा। हिंदू संगठनों के साथ-साथ स्थानीय लोगों ने राजधानी शिमला के साथ-साथ प्रदेश के अन्य जिलों में भी अवैध निर्माण को गिराने की मांग करते हुए प्रदर्शन किया था। शिमला में हुए प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शन कर रहे लोगों और पुलिस के बीच झड़प भी हो गई थी।

भारत में कब हुई थी पहली बार जाति जनगणना? तब क्या रहा था उसका हासिल

नई दिल्ली। केंद्र की मोदी सरकार ने जाति जनगणना कराने का फैसला लिया है। जाति जनगणना को मूल जनगणना के साथ ही कराया जाएगा। हालांकि जनगणना की प्रक्रिया पूरी होने में एक साल का समय लगेगा। बुधवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल की राजनीतिक मामलों की समिति (सीसीपीए) की बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस बात का ऐलान किया। आजादी के बाद भारत में पहली बार जाति जनगणना करायी जाएगी।यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब कांग्रेस लंबे समय से देश भर में जाति जनगणना की मांग कर रही है। राहुल गांधी ने पहले भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से 2011 की जाति आधारित जनगणना के आंकड़ों को सार्वजनिक करने की मांग की थी। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने साथ ही मांग की थी कि आरक्षण पर 50 फीसदी की सीमा को हटाया जाना चाहिए। कांग्रेस ने कहा कि उनका मानना है कि जाति जनगणना से देश में सभी के लिए समान अवसर सुनिश्चित होंगे। पिछले साल सितंबर में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) ने भी जाति जनगणना सर्वेक्षण के प्रति अपना समर्थन जताया था। आरएसएस ने कहा था कि इसका इस्तेमाल राजनीतिक या चुनावी उद्देश्यों के लिए नहीं किया जाना चाहिए।

आखिरी बार कब हुई थी जाति जनगणना

पिछली जाति जनगणना 1931 में ब्रिटिश प्रशासन द्वारा की गई थी। 1901 की जनगणना के बाद यह पहली जनगणना थी। 1931 की जनगणना के अनुसार उस समय कुल 4,147 जातियां थीं। जनगणना में पता चला कि देश की कुल 27।1 करोड़ आबादी में से 52 फीसदी अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) थे। यह आंकड़ा 1980 में मंडल आयोग की शिक्षा और सरकारी नौकरियों में ओबीसी को 27 फीसदी आरक्षण देने की सिफारिश का आधार बना, जिसे 1990 में ही लागू किया गया। जाति अभी भी भारतीय समाज की संरचना में महत्वपूर्ण विषय है। यह न केवल नस्ल और धर्म के प्रश्नों पर, बल्कि अर्थशास्त्र के प्रश्नों पर भी असंख्य तरीकों से प्रभाव डालती है। क्योंकि यह अभी भी अपने क्षेत्र में पैदा हुए प्रत्येक व्यक्ति के व्यवसाय, समाज और वैवाहिक जीवन को निर्धारित करने में अहम भूमिका है।"

क्या थे उस जनगणना के मुख्य निष्कर्ष?

उस समय भारत की कुल जनसंख्या (अब पाकिस्तान और बांग्लादेश का हिस्सा बनने वाले क्षेत्रों सहित) लगभग 35 करोड़ थी। जनगणना में 4,147 अलग-अलग जातियों की पहचान की गई। इसमें अछूतों भी शामिल थे, जिन्हें बाद में अनुसूचित जाति कहा गया। इस संख्या में शामिल हैं, 300 से अधिक ईसाई जातियां और 500 मुस्लिम जातियां। हालांकि ज्यादातर जातियां मुख्य रूप से हिंदुओं और जैनियों से जुड़ी हुई हैं। इसमें 68 जातियों को उच्च जातियों द्वारा लागू की गई सामाजिक और राजनीतिक अक्षमताओं के आधार पर 'अछूत' या 'बहिष्कृत' के रूप में वर्गीकृत किया गया। बाद में इन जातियों को 1935 के भारत सरकार अधिनियम के तहत विशेष दर्जा दिया गया।

कैसी थी उस समय धार्मिक संरचना

भारत की जनसंख्या में मुख्यतः हिंदू (68।36%), मुस्लिम (22।16%) और ईसाई, सिख, जैन, बौद्ध और अन्य लोग हैं। लेकिन जनगणना ने कुछ क्षेत्रों में ईसाइयों और मुसलमानों के बीच जाति-जैसी संरचनाओं का भी दस्तावेजीकरण किया (उदाहरण के लिए, बॉम्बे में कोली और गुजरात में कुनबी, जो मिश्रित हिंदू और ईसाई/मुस्लिम प्रथाओं का पालन करते थे)। 1931 के सर्वेक्षण के अनुसार, मराठों सहित बंबई (अब मुंबई) में कुनबी 6,434,8610 जनसंख्या के साथ प्रांतवार सबसे बड़ा समुदाय था। उसके बाद संयुक्त प्रांत के चमार (6,312,203), बिहार और उड़ीसा के गोआला (3,455,141) और बंगाल के कैबार्टा (2,733,338) थे। पंजाब में कुछ बाहरी जातियों ने हिंदू, सिख या मुस्लिम के रूप में वर्गीकृत होने से बचने के लिए खुद को आद धर्मी (मूल धर्म के अनुयायी) घोषित कर दिया। जो धार्मिक पहचान पर राजनीतिक तनाव को दर्शाता है।

ब्राह्मणों थे सबसे ज्यादा साक्षर

भारत की कुल साक्षरता दर पांच वर्ष और उससे अधिक आयु की आबादी के लिए 9।5 फीसदी थी। साक्षरता को किसी भी भाषा में पत्र लिखने और उत्तर पढ़ने की क्षमता के रूप में परिभाषित किया गया था। ब्राह्मणों की साक्षरता दर 27 फीसदी (पुरुषों के लिए 43।7%, महिलाओं के लिए 9।6%) थी, जो राष्ट्रीय औसत से काफी अधिक थी। हालांकि 73% ब्राह्मण निरक्षर थे और साक्षरता क्षेत्र के अनुसार भिन्न थी। उत्तर भारत में (जहां अधिकांश ब्राह्मण रहते थे) उनकी साक्षरता दर लगभग 15% थी। जो राष्ट्रीय औसत से आधी से भी कम थी।

केरल में 25% से अधिक थी साक्षरता दर

त्रावणकोर और कोचीन (लगभग आधुनिक केरल) में साक्षरता दर 25 फीसदी से अधिक थी। जिसका श्रेय ब्रिटिश प्रशासन के बजाय रियासतों की प्रगतिशील नीतियों को जाता है। इसने बाद के दशकों में केरल की उच्च साक्षरता की नींव रखी। जनगणना में प्रांत के अनुसार जाति-विशिष्ट साक्षरता दर दी गई, लेकिन अधिकांश जातियों के लिए उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर एकत्रित नहीं किया गया। निचली जातियों, विशेष रूप से बाहरी जातियों में आम तौर पर साक्षरता दर कम थी। हालांकि सटीक आंकड़े कम दर्ज किए गए हैं। जनगणना में अछूतों सहित हाशिए पर पड़े समूहों के लिए 'बाहरी वर्ग' शब्द का इस्तेमाल किया गया, जिन्हें गंभीर सामाजिक भेदभाव का सामना करना पड़ा। इस वर्गीकरण ने बाद की सकारात्मक कार्रवाई नीतियों को प्रभावित किया।

अयोध्या में राम पथ पर मांस, शराब और तंबाकू उत्पादों के विज्ञापनों पर पूर्ण प्रतिबंध का निर्णय

अयोध्या। उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी अयोध्या में राम पथ के 14 किलोमीटर लंबे क्षेत्र में मांस और शराब की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया गया है। अयोध्या नगर निगम की कार्यकारी समिति ने गुरुवार को इस प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पारित किया। इस प्रतिबंध के तहत न केवल मांस और शराब नहीं पान, गुटखा, बीड़ी, सिगरेट और इनरवियर के विज्ञापनों पर भी रोक लगाई जाएगी।

यह फैसला शहर की धार्मिक और सांस्कृतिक पवित्रता को बनाए रखने के उद्देश्य से लिया गया है। राम पथ अयोध्या और फैजाबाद शहरों को जोड़ता है। यह सरयू नदी के तट से शुरू होकर फैजाबाद के पांच किलोमीटर क्षेत्र तक फैला है। वर्तमान में इस मार्ग के कुछ हिस्सों में मांस और शराब की दुकानें संचालित हो रही हैं। हालांकि, अयोध्या शहर में मांस और शराब की बिक्री पर लंबे समय से प्रतिबंध है, लेकिन इस नए प्रस्ताव के जरिए फैजाबाद के क्षेत्रों को भी शामिल कर पूरे राम पथ में प्रतिबंध लगाया जाएगा। इस प्रतिबंध के कार्यान्वयन की समयसीमा और विवरण जल्द ही नगर निगम द्वारा घोषित किए जाएंगे।

अयोध्या के मेयर गिरीश पति त्रिपाठी ने इस फैसले की घोषणा करते हुए कहा, "अयोध्या नगर निगम की कार्यकारी समिति, जिसमें मेयर, डिप्टी मेयर और 12 पार्षद शामिल हैं, ने शहर की धार्मिक भावना को बनाए रखने के लिए इस प्रतिबंध को लागू करने का प्रस्ताव पारित किया है। राम पथ श्रीराम मंदिर का मार्ग है, और इसे पवित्र रखना हमारा कर्तव्य है। यह निर्णय श्रद्धालुओं की भावनाओं का सम्मान करता है।" इस प्रस्ताव को लागू करने के लिए नगर निगम ने जिलाधिकारी को पत्र भेजने का निर्णय लिया है। कार्यकारी समिति में शामिल भाजपा के मुस्लिम पार्षद सुल्तान अंसारी ने भी इस फैसले का समर्थन किया। यह कदम अयोध्या को एक आदर्श धार्मिक नगरी के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

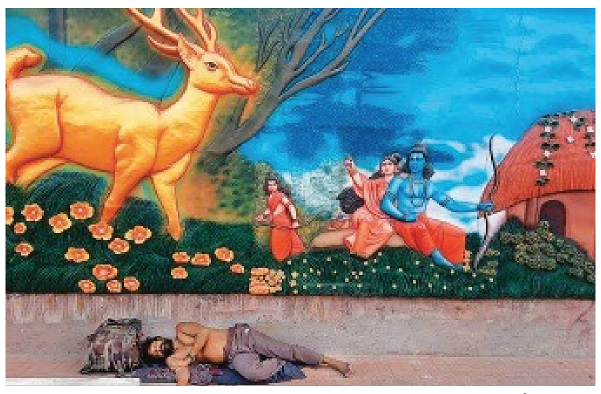

गोवा के श्रीगाओ में लैराई देवी मंदिर में मची भगदड़, 6 लोगों की मौत, 30 लोग घायल

उत्तरी गोवा। गोवा के शिरगांव में आयोजित श्री लैराई 'जात्रा' के दौरान एक दर्दनाक हादसा हुआ। यहां लैराई मंदिर में भगदड़ मचने से 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 लोग घायल हो गए हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे में घायल हुए लोगों का हाल जानने के लिए सीएम प्रमोद सावंत घटना स्थल पर पहुंच गए हैं। उत्तरी गोवा के एसपी अक्षत कौशल ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि गोवा के श्रीगाओ में लैराई देवी मंदिर में मची भगदड़ में 6 लोगों की मौत हो गई और 15 से ज़्यादा लोग घायल हो गए। दरअसल, यह हादसा तब हुआ जब भारी भीड़ के बीच अचानक अफरातफरी फैल गई, जिससे लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। चश्मदीदों ने बताया कि भगदड़ के दौरान हालात बेहद डरावने हो गए थे और लोग एक-दूसरे पर गिरते-पड़ते बाहर निकलने की कोशिश कर रहे थे। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और आपातकालीन सेवाएं मौके पर पहुंचीं और तुरंत राहत व बचाव कार्य शुरू किया गया। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह घटना पणजी से करीब 40 किलोमीटर दूर शिरगांव के श्री लईराई देवी मंदिर में तड़के करीब तीन बजे हुई। घटना के कुछ घंटों बाद सावंत ने भगदड़ स्थल का दौरा किया। सावंत ने घटनास्थल पर संवाददाताओं से कहा, "मैंने घटना की विस्तृत जांच का आदेश दिया है। हम रिपोर्ट सार्वजनिक करेंगे।"

उन्होंने कहा कि राज्य में मंदिर उत्सवों के दौरान ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए भविष्य में सावधानी बरती जाएगी। सावंत ने कहा कि भगदड़ के बारे में पता चलने के बाद वह सुबह मापुसा शहर स्थित उत्तरी गोवा जिला अस्पताल गए। इससे पहले सावंत ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें फोन कर पूरा समर्थन देने का आश्वासन दिया है। फिलहाल, ये भगदड़ किस वजह से मची है इसकी फिलहाल जांच की जा रही है। पुलिस की शुरुआती जांच में भगदड़ के कारणों का कुछ पता नहीं चल सका है। इस भगदड़ में मारे गए लोगों की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है।

सीएम ने दिए जांच के आदेश

घटना की सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने स्थिति का जायजा लेने के लिए उत्तरी गोवा के जिला अस्पातल और बिचोलिम अस्पताल का दौरा किया। सीएम ने घायलों से मुलाकात कर उनके इलाज की जानकारी ली। उन्होंने हादसे की जांच के आदेश दे दिए हैं।

गोवा कांग्रेस ने शिरगांव की श्री लैराई देवी जात्रा में हुई भगदड़ पर दुख जताया है। पार्टी ने लिखा कि, हम इस दुखद घटना की निंदा करते हैं और अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं। सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,